सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
Digital Edition

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 56, नई दिल्ली, शनिवार, 24 दिसम्बर 2022, पेज 8

NEWS NTV TRANSPORT VISHESH
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 23-24 दिसंबर को दिल्ली-मथुरा हाईवे पर प्रभावित रहेगा यातायात
05 पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों की चिंता करें खत्म!
08 सिक्किम में बड़ा सड़क हादसा, सेना का ट्रक खाई में गिरा

आज का सुविचार

ज़िन्दगी बदलने के लिए लड़ना पड़ता है, आसान करने के लिए समझना पड़ता।।

इनसाइड

2021 में भारत में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़कर 4.12 लाख हो गई

नईदिल्ली। देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 2020 में 3,66,138 से बढ़कर 2021 में 4,12,432 हो गई, गुरुवार को संसद को सूचित किया गया। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि 2019 में देश में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या 4,49,002 थी। मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने देश में सड़क सुरक्षा के पुनर्गठन और मजबूती के लिए सड़क इंजीनियरिंग पर आधारित बड़ी पहल की है। एक अलग सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि मंत्रालय किसी मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजना को बंद करने पर विचार नहीं कर रहा है। "हालांकि, कुछ मामलों में, जिन परियोजनाओं में किसी कारण (ओं) के कारण काफी देरी होती है, उन्हें या तो बंद कर दिया जाता है या मामला दर मामला आधार पर समाप्त कर दिया जाता है और उन परियोजनाओं को आमतौर पर बाद में अलग काम के रूप में फिर से आवंटित किया जाता है," उन्होंने कहा। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रजिस्टर्ड वेहिकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज (आरवीएसएफ) में अब तक कुल 5,215 वाहन खराब हुए हैं।

अंधेरगर्दी: एक घंटे में 50 वाहनों की हो गई फिटनेस

ऑटोमेटिक सेंटर न शुरू होने का दलाल उठा रहे फायदा

- फिटनेस के लिए आई गाड़ियों की चेसिस का नंबर फिटनेस फार्म पर पेंसिल से रगड़कर उतारा जाता है।

संजय बाटला

कानपुर। ऑटोमेटिक फिटनेस सेंटर न शुरू होने का दलाल फायदा उठा रहे हैं। इसके चलते बिना दलाल फिटनेस कराने वाले बैरंग लौट रहे हैं। वहीं, फिटनेस के दौरान न ब्रेक चेक होती है और न स्टीयरिंग। फार्म पर वाहन चेसिस का नंबर उतारकर फिटनेस चेकिंग हो रही है। कानपुर में जर्जर और अनफिट कॉमर्शियल वाहनों को परिवहन विभाग से जारी होने वाले फिटनेस प्रमाण की वजह मैनुअल तरीका और खानपूरी करना है। पनकी के फिटनेस सेंटर में एक घंटे में करीब 50 ट्रकों, बसों और कॉमर्शियल वाहनों की फिटनेस हो जाती है। वाहन लेकर चालक सुबह छह बजे से सेंटर पहुंच जाते हैं। सुबह नौ से 10 बजे तक आरआई यहां पर फिटनेस का काम देखते हैं। दलालों के माध्यम से पहुंचे इन वाहनों के ब्रेक, क्लच और स्टीयरिंग तक नहीं चेक की जाती है।

फिटनेस के लिए आई गाड़ियों की चेसिस का नंबर फिटनेस फार्म पर पेंसिल से रगड़कर उतारा जाता है।

इसके बाद हस्ताक्षर बना दिए जाते हैं। जो गाड़ियां बिना दलालों के पहुंचती हैं, उनमें कमियां निकालकर लौटा दिया जाता है। सड़क दुर्घटनाओं में फिटनेस प्रमाण पत्र होते हुए भी वाहनों में ब्रेक और स्टीयरिंग में कमी मिलने पर फिटनेस सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया था।

शासन ने सचेंडी के किसान नगर में ऑटोमेटिक वाहन फिटनेस सेंटर बनवाने का आठ करोड़ 39 लाख 35 हजार रुपये का बजट दिसंबर 2019 में जारी किया था। 2021 में इसे चालू होना था, लेकिन बनने के बाद मशीनें न आने से इसे शुरू नहीं कराया जा सका है।

ड्राइवर बोले- रोजाना कमाने खाने वालों को भी नहीं छोड़ते

यशोदा नगर में तिपहिया लोडर लेकर फिटनेस कराने आए रहमत ने बताया कि तीन दिन तक उन्हें वापस किया गया। कहा गया कि वाहन बॉडी के ऊपर तिरपाल बांधने के लिए जो एंगल लगाया है, वह नियमों का उल्लंघन है। इसे कटवाकर लाओ।

ऐसी दूसरी कई गाड़ियों की फिटनेस होने का हवाला दिया, तो दलाल ने कहा कि 2500 रुपये दो काम हो जाएगा। दादानगर नहर पट्टी के अमन ने बताया कि उनके लोडर में रेडियम पट्टी लगी थी। फिटनेस सेंटर के दलाल ने कहा कि यह नहीं मानी जाएगी। वहां एक दूसरा दलाल पट्टी लगाने का काम कर रहा था। उसने पांच मीटर रेडियम पट्टी के 610 रुपये लिए।

कल्याणपुर के अमित दुबे की ओमनी कार स्कूल में लगी है। उनकी कार में भी रेडियम पट्टी गलत बताकर फिटनेस के तीन हजार रुपये लिए गए। इसी तरह दादानगर के रामबाबू ने बताया कि लोडर की फिटनेस के लिए चार दिनों से चक्कर लगा रहा हूं।

कल्याणपुर के अमित दुबे की ओमनी कार स्कूल में लगी है। उनकी कार में भी रेडियम पट्टी गलत बताकर फिटनेस के तीन हजार रुपये लिए गए। इसी तरह दादानगर के रामबाबू ने बताया कि लोडर की फिटनेस के लिए चार दिनों से चक्कर लगा रहा हूं। इन ड्राइवरों ने कहा कि रोज कमाने खाने वालों से फिटनेस के नाम पर वसूली हो रही है। बड़े ट्रांसपोर्टरों और बस मालिकों की अफसरों से ही बातचीत हो जाती है।

उन्होंने बताया कि साइलेंसर से आवाज बहुत आ रही है। ठीक कराकर लाओ।

ठीक कराकर पहुंचे, तो कहा गलत हो गया, साइलेंसर बदलाकर लाओ। फिर दलाल को दो हजार रुपये दिए और फिटनेस हो गई। इन ड्राइवरों ने कहा कि रोज कमाने खाने वालों से फिटनेस के नाम पर वसूली हो रही है। बड़े ट्रांसपोर्टरों और बस मालिकों की अफसरों से ही बातचीत हो जाती है।

आरआई बोले- मेरे सामने कोई ऐसा आया हो, तो बताओ

दलालों की कारगुजारियों की जानकारी जब आरआई अजीत सिंह को दी, तो उन्होंने कहा कि मेरे सामने जो भी वाहन के आवेदन फार्म आए हैं, उन्हें सामने लाइए। उन्होंने कहा कि सुबह छह बजे से यह काम चल रहा है और जो फार्म आपको देने वाले हैं। यह विभाग का स्टाफ है या कोई और। इसके बारे में कोई जानकारी उन्होंने नहीं दी।

ऑटोमेटिक वाहन फिटनेस सेंटर बनकर तैयार है। जैसे ही यूपी राज्य निर्माण सहकारी संघ मशीनें उपलब्ध करा देगा, तो इसे चालू करा दिया जाएगा। फिटनेस सेंटर में अगर किसी की शिकायत है, तो वह उनसे सर्वोदय नगर ऑफिस में आकर कर सकता है। कार्रवाई की जाएगी।

-राजेश सिंह, आरटीओ प्रशासन, कानपुर नगर

आरटीओ को हर साल तीन लाख फाइलों से मिलेगी मुक्ति

एनटीवी संवाददाता

हल्द्वानी। निजी और व्यवसायिक वाहनों के रजिस्ट्रेशन में वाहन डीलरों की भूमिका बढ़ा दी गई है। अब सभी औपचारिकताएं डीलर स्तर पर ही हो जाएंगी। ऐसे में परिवहन विभाग में हर साल आने वालीं औसतन तीन लाख फाइलों का आना बंद हो जाएगा। परिवहन विभाग में कर्मचारियों और अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए वाहनों के रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में डीलरों की भूमिका बढ़ा दी गई है। वाहन डीलरों को वाहन 4.0 पोर्टल पर एडमिन यूजर आईडी उपलब्ध करायी जाएगी। इस आईडी के आधार पर डीलर डाटा इंट्री, डॉक्यूमेंट अपलोड, शुल्क, डाटा सत्यापन और फार्म मुद्रण कराएंगे। डीलर प्रतिनिधि अपनी लॉग इन आईडी से वाहन की बिक्री के समय वाहन का चैसिस नंबर फीड करेगा जिसके बाद बाकी की जानकारी स्वतः ही अपलोड हो जाएगी। संबंधित आरटीओ/एआरटीओ अपने कार्यालय में ही ऑनलाइन जांच के बाद रजिस्ट्रेशन को एप्रूवल देंगे। यदि कोई गलती नजर आई तो एप्रूवल रद्द कर दिया जाएगा।

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य में पूरे साल में करीब तीन लाख वाहन रजिस्ट्रेशन की फाइलें आरटीओ और एआरटीओ कार्यालय में पहुंचती हैं। इस सुविधा के शुरू होने के बाद कार्यालयों में भीड़ कम हो जाएगी और ये फाइलें आना बंद हो जाएंगी। इससे कर्मचारियों पर काम का दबाव कम होगा। उत्तराखंड के संयुक्त परिवहन आयुक्त, सनत कुमार सिंह का कहना है कि डीलर प्वाइंट के माध्यम से ही वाहनों के पंजीयन का काम शुरू कर दिया गया है। वाहन की भौतिक पत्रावली को कार्यालय भेजने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। -आरटीओ, विमल पांडेय का कहना है कि हल्द्वानी क्षेत्र में साल भर में 35 हजार से ज्यादा वाहनों के रजिस्ट्रेशन होते हैं। इनसे जुड़ी फाइलें कार्यालय में आती हैं। नए आदेश के बाद इन फाइलों का आना बंद हो जाएगा।

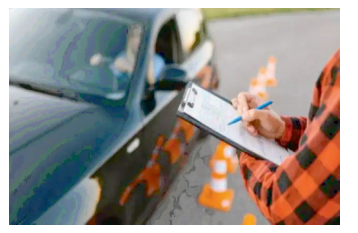

निजी वाहनों से हुई शुरूआत व्यवसायिक वाहनों तक पहुंची

हल्द्वानी। आरटीओ कर्मचारियों का काम कम करने के लिए निजी वाहनों के रजिस्ट्रेशन में वाहन डीलरों की भूमिका बढ़ाई गई थी। वाहन की बिक्री जरूरी फाइल वाहन डीलर के यहां तैयार की जाती थीं। हालांकि एप्रूवल के लिए फाइल को आरटीओ/एआरटीओ के पास भेजा जाता था। अब ये फाइलें भी आना बंद हो जाएंगी। पहले व्यवसायिक वाहन का रजिस्ट्रेशन आरटीओ/एआरटीओ कार्यालय में आने के बाद ही होता था लेकिन अब ये काम भी वाहन डीलर के यहां ही होगा। वाहन डीलर को अपना डिजिटल सिग्नेचर भी जेनरेट करना होगा।

कर्मचारी बढ़े 15 प्रतिशत, काम बढ़ा आठ गुना

हल्द्वानी। राज्य गठन से पहले उत्तरखंड में हर साल औसतन 50 हजार वाहनों रजिस्ट्रेशन होता था। अब इसमें करीब छह गुना की बढ़ोतरी हुई है। राज्य गठन के बाद कर्मचारियों की संख्या में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। वर्तमान में प्रदेश भर के आरटीओ कार्यालयों में 311 मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी हैं।

तीन लाख फाइलों और 45 लाख कागजों की होगी बचत

हल्द्वानी। पर्यावरण की दृष्टि से यह फैसला काफी लाभदायक होगा। वाहन रजिस्ट्रेशन की एक फाइल में 15 प्रपत्र लगते हैं। इस हिसाब से पूरे साल में 45 लाख प्रपत्र और तीन लाख फाइलों की बचत होगी। दूसरी ओर आरटीओ पुरानी फाइलों को डिजिटल कर रहा है। नई फाइलों का काम भी डिजिटल होने के बाद कुछ सालों बाद फाइलों का झंझट ही खत्म हो जाएगा।

कोहरे को भांपकर होगा रोडवेज बसों का संचालन

एनटीवी संवाददाता

लखीमपुर खीरी। 24 घंटे के अंदर पर ही परिवहन विभाग के बैकफुट पर आने के बाद अब रात आठ बजे के बाद बसों का संचालन कोहरे की स्थिति भांपकर और चालक-परिचालकों के विवेक पर निर्भर करेगा। कोहरा बढ़ने पर चालक परिचालक बसों को रास्ते में सुरक्षित स्थानों पर रोक सकेंगे। इधर, दो दिन से रात आठ बजे के बाद बसों का संचालन न होने से बुधवार रात बस अड्डे पर सवारियां कम निकलीं। पिछले कुछ दिन से कोहरे का सितम जारी है। ऐसे में होने वाले हादसे को देखते हुए परिवहन निगम के एमडी ने मंगलवार को रात आठ से सुबह आठ बजे तक बस संचालन बंद करने के निर्देश दिए। जिम्मेदारों ने इसका पालन कराते हुए बसों को रूट न भेजकर खड़ा कर दिया। इससे दैनिक यात्रियों से लेकर अन्य मुसाफिरों की दिक्कतें बढ़ गई थी। इस तरह की हो रहीं समस्याओं को देखते हुए आला अधिकारियों ने

कोहरे की स्थिति को देखते हुए संचालन कराने के निर्देश दिए। हालांकि कोहरे का प्रकोप देखते हुए बुधवार रात आठ बजे के बाद लखीमपुर से लखनऊ जाने वाली बसों का संचालन ठप कर दिया गया।

बृहस्पतिवार सुबह भी कोहरा छाया रहा। ऐसे में गोला डिपो से लखनऊ, बरेली आदि रूट पर छह बजे के बाद बसों को रवाना किया गया। जबकि लखीमपुर डिपो से कोहरा काफी हल्का होने के बाद लखनऊ, गोला एवं धौरहरा रूट पर बसें संचालित हुई। वहीं दिल्ली जाने वाली एसी बस निरस्त कर दी गई है। एआरएम जोगेंद्र सिंह ने बताया कि घना कोहरा होने के कारण बस अड्डे से सुबह आठ बजे के बाद ही बसों को रूट पर भेजा जा रहा है। यात्री हित को देखते हुए परिचालकों को निर्देशित कर दिया है कि रास्ते में घना कोहरा होने पर बस को नजदीकी बस स्टैंड, पुलिस थाना, चौकी, परिवहन निगम के अधिकृत ढाबे, टोल प्लाजा व पेट्रोल पंप पर खड़ा कर दें। कोहरा छटने के बाद ही बस संचालित करें।

बस अड्डे पर दिन में उमड़ रही भीड़

रात में बस संचालन न होने से दिन में बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। लखनऊ, सीतापुर से लेकर गोला, पीलीभीत आदि जगहों पर जाने के लिए पहले जहां लोग रात में बसों से सफर करते थे, लेकिन आठ बजे के बाद बस न चलने से अब यात्रियों की भीड़ दिन में बस अड्डे पर पहुंच रही है। बृहस्पतिवार को दिन भर बस अड्डे पर यात्रियों का आना जाना लगा रहा।

परमिट वाले ऑटो-ई रिक्शा के नंबर प्लेट के नीचे लगेगा कलर कोड

एनटीवी संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी में एक जनवरी से लागू होने वाले रूट प्लान के लिए नगर निगम और परिवहन विभाग के साथ ही थाने स्तर पर भी तैयारी शुरू कर दी गई है। ई रिक्शा के लिए परमिट नहीं है। ऐसे में उन्हें निर्धारित रूट पर चलने के लिए पट्टी प्रदान की जाएगी। रूट पर निर्धारित कलर कोड वाले वाहनों की निगरानी का जिम्मा परिवहन विभाग उठाएगा।

शहर में सुनियोजित यातायात और जाम से मुक्ति के लिए एक जनवरी से लागू होने वाले रूट प्लान के लिए नगर निगम और परिवहन विभाग के साथ ही थाने स्तर पर भी तैयारी शुरू कर दी गई है। निर्धारित रूट पर रंग पट्टिका के लिए नगर निगम एक-दो दिन में कैंप

आयोजित करेगा। ऑटो व ई रिक्शा संचालकों की इच्छा के अनुसार परमिट के आधार पर उनके वाहन पर जोन के अनुसार रंग की पट्टी लगाई जाएगी। वाहन के पीछे नंबर प्लेट के ठीक ऊपर और सामने ये पट्टी लगाई जाएगी। प्रवर्तन टीमें हर रूट पर तैनात रहेंगी।

ई रिक्शा के लिए परमिट नहीं है। ऐसे में उन्हें निर्धारित रूट पर चलने के लिए पट्टी प्रदान की जाएगी। रूट पर निर्धारित कलर कोड वाले वाहनों की निगरानी का जिम्मा परिवहन विभाग उठाएगा। यहां बता दें कि पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन और जिलाधिकारी एस राजलिंगम की ओर से जारी आदेश में शहर में ऑटो और ई-रिक्शा के रूट निर्धारित किए गए हैं। इसमें नारंगी (ऑरेंज), हरा (ग्रीन) और धानी रंग के हिसाब से अलग-अलग जोन में ऑटो व ई रिक्शा का संचालन होगा। एक जनवरी 2023 से ये व्यवस्था लागू होगी।

कुंभ की तरह नियमित होंगे वाहन

अपर नगर आयुक्त राजीव कुमार राय के अनुसार ई रिक्शा के लिए तीन अलग अलग रंगों की पट्टियां बनाई जाएंगी। जिसे ई रिक्शा के पीछे लगाया जाएगा। इसके लिए निर्धारित स्थल का चयन होगा। यातायात, पुलिस, आरटीओ विभाग की मदद ली जाएगी। जिस प्रकार कुंभ में अलग अलग रंगों के जरिए वाहनों को नियमित करेंगे। इसके लिए ई रिक्शा संगठन की मदद ली जाएगी। चूंकि यह नीतिगत मामला है, इसलिए इस पर कोई ठोस कार्ययोजना बनाकर उसे लागू कराया जाएगा।

प्रदेश के अलग-अलग शहरों से नोएडा, दिल्ली, गुरुग्राम, हिसार आदि शहरों के लिए परिवहन निगम 68 सीएनजी बसें चलाएगा।

नोएडा सहित इन शहरों के लिए चलेंगी उत्तराखंड से 68 सीएनजी बसें, रूटों को लेकर पढ़ें पूरी जानकारी

एनटीवी संवाददाता

देहरादून। परिवहन निगम उत्तराखंड के अलग-अलग शहरों से सीएनजी बस सेवा शुरू करने जा रहा है। शासन से अनुमति मिलने के बाद परिवहन निगम ने अनुबंध की प्रक्रिया शुरू की है। मैदानी मार्गों पर 68 सीएनजी बसों के संचालन का प्रस्ताव पिछले दिनों निगम की बोर्ड बैठक में पास होने के बाद शासन को भेजा गया था।

प्रदेश के अलग-अलग शहरों से नोएडा, दिल्ली, गुरुग्राम, हिसार आदि शहरों के लिए परिवहन निगम 68 सीएनजी बसें चलाएगा। शासन से अनुमति मिलने के बाद निगम ने सीएनजी अनुबंधित बसों की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दरअसल, परिवहन निगम ने पूर्व में छह सीएनजी बसें देहरादून से दिल्ली के बीच लीज पर चलाई थीं।

डीजल के मुकाबले जहां इन बसों में निगम की बचत ज्यादा है, वहीं बीएस-6 मानकों की होने के चलते इनके संचालन में कोई अड़चन नहीं है। मैदानी मार्गों पर

68 सीएनजी बसों के संचालन का प्रस्ताव पिछले दिनों निगम की बोर्ड बैठक में पास होने के बाद शासन को भेजा गया था।

शासन से अनुमति मिलने के बाद अब निगम ने 12 रूटों पर 68 सीएनजी बसों के अनुबंध का टेंडर जारी कर दिया है।

परिवहन निगम के महाप्रबंधक संचालन एवं तकनीकी दीपक जैन के मुताबिक, उत्तराखंड के स्थानीय युवाओं को वीरचंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना के तहत बस लेकर लगाने पर प्राथमिकता दी जाएगी।

किस रूट पर कितनी सीएनजी बसें चलेंगी

मार्ग का नाम- बसों की संख्या
देहरादून-फरीदाबाद- 01
रुड़की-दिल्ली- 20
हरिद्वार-दिल्ली- 03
हरिद्वार-दिल्ली-कुतुबगढ़- 01
हरिद्वार-दिल्ली-गुड़गांव- 02
हरिद्वार-दिल्ली-पलवल- 01
रुद्रपुर-दिल्ली-09
टनकपुर-दिल्ली- 12
टनकपुर-दिल्ली-हिसार- 01
कोटद्वार-दिल्ली- 08
काशीपुर-दिल्ली- 09
देहरादून-नोएडा- 01

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

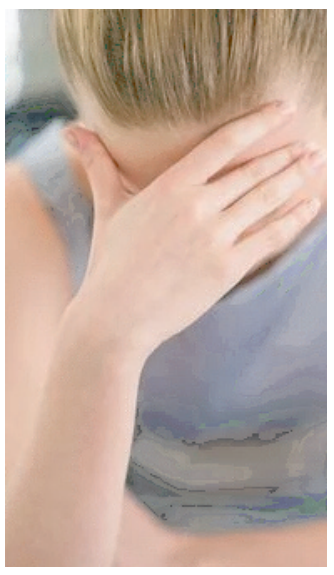

गृहणियों में बढ़ रहा है मेंटल स्ट्रेस, एक्सपर्ट्स ने बताया खुश रहने का तरीका

बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं.

पूरे घर को संभालने वाली (गृहणी/हाउसवाइफ) हमारी मां या पत्नी घर के हर एक सदस्य की जरूरत का ख्याल रखती हैं. उनका पूरा दिन घर की चार दीवारी में ही शुरू होता है और उसी में खत्म हो जाता है. सुबह से रात तक उनकी यही कोशिश रहती है कि किसी भी सदस्य को घर में कई तकलीफ न हो. ये सब वो किसके लिए करतीं हैं? अपने परिवार के लिए, परिवार की खुशियों के लिए. फिर जब कभी वो जरा गुस्सा हो जाती हैं, तो हम उन्हें गलत समझने लगते हैं. लेकिन क्या कभी सोचा है कि वो भी कितनी तरह के तनाव से जूझ रही है? उनकी मेंटल हेल्थ के बारे में कभी बात की है? ओनली माई हेल्थ की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं. इस रिपोर्ट में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (Clinical Psychologist) डॉ. प्रज्ञा मलिका (Dr. Pragya Malika) का कहना है कि हाउसवाइफ में तनाव कई वजहों से होता है. ऐसी स्थिति में वे अकेले रहने लग जाती हैं. परिवार में जब कॉन्फ्लिक्ट्स (झगड़े और विवाद) बढ़ते हैं तो वे एडजस्टमेंट की ओर जाते हैं. जब ये मुद्दे हल नहीं हो पाते तो सुसाइड, तलाक या अन्य मेंटल डिसऑर्डर (Mental Disorder) में बदल जाते हैं. इसे ही दुष्चक्र या विशियस साइकल (Vicious Cycle) कहते हैं. डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ इन तरीकों को अपनाकर खुश रह सकती हैं.

अपनी हॉबीज को करें याद

डॉ प्रज्ञा का कहना है कि अक्सर महिलाएं घर के काम में उलझकर अपनी हॉबीज (शौक) को भूल जाती हैं. जब ये निराशा या कुंठा बढ़ने लग जाए, तो अपने हुनर को याद करें. वो काम जिसे आप पूरे मजे के साथ करते थे, वो दोबारा करें. खुद सोचें कि आपको क्या करने में अच्छा लगता है. ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा.

परेशानी का कारण ढूंढे

डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ को ये देखना पड़ेगा कि उन्हें परेशानी किस बात से हो रही है. जब परेशानी की वजह मालूम हो जाए, तब उस पर काम करें. उस परेशानी को मैनेज करें. दरअसल, महिलाओं की टेंशन की एक वजह ये भी है कि महिला और पुरुष का दिमाग थोड़ा अलग तरह से काम करता है. जैसे महिलाएं इमोशनल होकर सोचती हैं और पुरुष लॉजिस्टिक तरीके से सोचते हैं.

नए दोस्त बनाएं

हाउसवाइफ अपने स्ट्रेस को कम करने के लिए नए दोस्त बना सकती हैं. अपने घर के आसपास, रिश्तेदारों में या स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के संपर्क में रहें और उनसे बात करते रहना भी कई बार इस स्ट्रेस से निकलने में मदद करता है.

अपने लिए टाइम निकालें

एक हाउसवाइफ होने के नाते आप क्या चाहती हैं? हाउसवाइफ होने के नाते आपके कुछ सपने होते हैं. तो यहां उन्हें सोचने की जरूरत है कि आप क्या चाहती हैं. खुद को खुश रखने के लिए अपना भी टाइम निकालें.

कुछ चीजों को हालात पर छोड़ दें

डॉ. प्रज्ञा का कहना है कि जिस सिचुएशन में आप कुछ कर नहीं सकतीं. जो हालात आपके बस से बाहर हैं, तो उन पर न सोचें.

आजादी और आध्यात्मिकता से जीवन हुआ आसान

महिलाओं में बढ़ा 'हैप्पीनेस लेवल'

स्टडी में सामने आया कि कम उम्र की युवतियां अपनी लाइफ से ज्यादा संतुष्ट हैं.

अब महिलाओं को मामूली बातों, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है, कैसे बैठना या उठना है, इसके लिए किसी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं है. आजादी महिलाओं को खुशी दे रही है.

एक ताजा सर्वे में पता चला है कि कुछ दशक पहले की महिलाओं की तुलना में आज की युवतियां ज्यादा खुश रहने लगी हैं और ये बदलाव उनमें अपनी लाइफ से जुड़ा हर फैसला लेने की उनकी बड़ी हुई क्षमता की वजह से है. दैनिक भास्कर अखबार में छपी न्यूज रिपोर्ट के अनुसार अब उन्हें मामूली बातों, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है, कैसे बैठना या उठना है, इसके लिए किसी की इजाजत लेने की जरूरत नहीं है. वो अपने फैसले खुद ले सकती है. इसमें आध्यात्मिकता भी एक वजह है जो महिलाओं के 'लेवल ऑफ हैप्पीनेस (Level of Happiness)' को बढ़ा रही है.

इस रिपोर्ट के अनुसार, पुणे के रिसर्च सेंटर 'दृष्टि स्त्री अध्ययन प्रोबधन केंद्र (DSAPK)' ने देश के 29 राज्यों की 43 हजार से ज्यादा महिलाओं से उनकी खुशी को लेकर सवाल किए. इन महिलाओं की उम्र 18 साल से लेकर 70 साल के बीच की थी.

सर्वे में क्या निकला?

सर्वे में महिलाओं के साथ बातचीत में सामने आया कि कम उम्र की युवतियां अपनी लाइफ से ज्यादा संतुष्ट हैं. 18 से 40 साल के बीच की कम से कम 80 प्रतिशत प्रतिभागियों ने खुद को खुश बताया. इनमें से ज्यादातर महिलाएं आध्यात्म से भी जुड़ी हुई थीं, यानी पूजा-पाठ या किसी तरह का मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी से वो जुड़ी हुई थीं.

आजादी महिलाओं को खुशी दे रही

आपको बता दें कि भारत के अलावा दूसरे देशों में भी महिलाओं में हैप्पीनेस के लेवल को समझने के लिए स्टडी हुई है. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा की गई ऐसी ही एक स्टडी के लिए डे रिकंस्ट्रक्शन मेथड (Day Reconstruction Method) की मदद ली गई, जिससे ये समझने की कोशिश थी कि एक दिन में महिलाओं के इमोशंस में कितना उतार-चढ़ाव आता है. इसके नतीजों के अनुसार आजादी महिलाओं को खुशी दे रही है.

पुरुषों के मुकाबले बेटर हैंडलर

इस स्टडी में ये भी पाया गया कि फिट रहना भी महिलाओं को ज्यादा खुश रखता है. अध्ययन के मुताबिक एक्सरसाइज करना महिलाओं को उनकी सैलरी मिलने जैसी खुशी देता है. सर्वे में एक चौंकाने वाली बात ये भी सामने आई कि अगर महिला और पुरुष को एक जैसी परेशानी दी गई, तो महिला उसे ज्यादा आसानी से डील करती है.

महिलाओं को हो सकती है दिल की बीमारी

कार्डियो वेस्कुकर डिजीज यानी सीवीडी की रोकथाम के बारे में महिलाओं जागरूकता की कमी है. खानपान और लाइफस्टाइल सही नहीं होने से महिलाओं में इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है. औरतें जिस तनाव का अनुभव करती हैं, अक्सर उनपर आसपास के लोगों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है.

दिल की बीमारी के लक्षण महिलाओं (Women) में उतने स्पष्ट रूप से नहीं नजर आते हैं, जितने पुरुषों में आते हैं. इसका मतलब यह है कि अगर पुरुषों में को दिल की समस्या होती है, तो एनजाइना जैसे विशिष्ट लक्षण दिख सकते हैं. जिन्हें आसानी से देखा जा सकता है और सही इलाज और देखभाल शुरू हो सकती है. वहीं महिला में यह समस्या होती है कोई लक्षण नहीं हो दिखते हैं. फिर जब तक बीमारी (Illness) का पता चलता है, ये इतनी गंभीर हो जाती है कि हर तीन में से एक महिला की मौत हृदय रोग के कारण हो जाती है.

जागरूकता की कमी

कार्डियो वेस्कुकर डिजीज यानी सीवीडी की रोकथाम के बारे में महिलाओं जागरूकता की कमी है. खानपान और लाइफस्टाइल सही नहीं होने से महिलाओं में इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है. औरतें जिस तनाव का अनुभव करती हैं, अक्सर उनपर आसपास के लोगों द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता है. इस कारण भी महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा सीवीडी का खतरा बढ़ जाता है. तनाव के साथ, आहार की मात्रा और गुणवत्ता जैसे अन्य कारक भी प्रभाव डालते हैं. इसके अलावा जिन महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम पीसीओएस, प्रीक्लेम्पसिया, प्रेगनेंसी के दौरान हाई ब्लड प्रेशर और सुगर होती है. उनको हार्ट को लेकर सजग रहना चाहिए.

नियमित जांच

महिलाओं में हृदय स्वास्थ्य लिए नियमित रूप से जांच जरूर करानी चाहिए. कोई लक्षण स्पष्ट रूप से हो या नहीं यह महत्वपूर्ण है कि जोखिम का आकलन करने के लिए नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच करवाएं. अगर सही समय पर बीमारी का पता चलता है तो महिलाओं में सीवीडी की बेहतर रोकथाम हो सकती है.

इन बातों का रखें ध्यान

जब हार्ट से जुड़ी बीमारी के बारे में पता करना मुश्किल हो, तो ऐसे में अपनी डाइट और लाइफस्टाइल को सही रखें महिलाएं अपने खाने में हृदय को स्वस्थ रखने वाली चीजों को शामिल करें जैसे फल सब्जियां, और जिन चीजों में फाइबर ज्यादा हो. उन्हें जरूर अपने आहार में शामिल करें तनाव से दूर रहें.

साफ सफाई से सुधर सकती है महिलाओं की मानसिक सेहत: रिसर्च

शोध में पाया गया है कि सफाई (**Cleanliness**) आपके मानसिक स्वास्थ्य पर कई सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है. अलमारियों पर जमी धूल, किचन को पोंछना या कमरे को व्यवस्थित करना मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद साबित हुए हैं. ये काम मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही फायदेमंद है, जितना मेडिटेशन या योग है. तो अगली बार जब तनाव हो तो घर की सफाई करने से मत कतराइयेगा.

तनाव से निपटने के कुछ लोग योग, माइंडफुलनेस या यहां तक कि स्पा में मालिश लेते हैं ताकि तनाव कम हो. वहीं एक वर्ग ऐसा भी है जो अलमारियों पर जमी धूल, किचन को पोंछना या कमरे को व्यवस्थित करते हैं. ये काम उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही फायदेमंद है, जितना लोगों के लिए मेडिटेशन या योग है. तो अगली बार जब तनाव हो तो घर की सफाई करने से मत कतराइयेगा. कुछ लोगों को साफ-सुथरा और व्यवस्थित घर तनावमुक्त करने में मदद करता है. सफाई आपके मानसिक स्वास्थ्य कैसे असर करते है आइये जानते हैं.

अव्यवस्था अवसाद में योगदान कर सकती है

"व्यक्तित्व और सामाजिक मनोविज्ञान बुलेटिन" में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि जिन महिलाओं ने अपने रहने की जगह को अव्यवस्थित रखा, उनमें तनाव अधिक पाया गया. शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि जिन महिलाओं का घर अस्त-व्यस्त रहता है, उनमें कोर्टिसोल का स्तर अधिक होता है. वहीं व्यवस्थित महिलाओं में तनाव कम मिला. इसलिए जरूरी है की घर को व्यवस्थित करना शुरू कर दें.

सफाई और सेहत

शोध में पाया गया है कि सफाई आपके मानसिक स्वास्थ्य पर कई सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है. यह मूड में सुधार के साथ-साथ उपलब्धि और संतुष्टि की भावना प्रदान करने के लिए भी है.ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से सफाई आपको तनावमुक्त करने में मदद कर सकती है. तो अपने घर या ऑफिस की डेस्क को साफ करके देखिये तनाव छू मंतर होगा. इसके साथ ही थोड़ी शारीरिक मेहनत भी हो जाएगी जो आपको फिट रखने में मदद करेगी.

इस बात का रखें ध्यान

सफाई करना अच्छी बात है मगर ये हद से ज्यादा नहीं होनी चाहिए. कई बार लोग सफाई में इतने ज्यादा आदी हो जातें हैं की दूसरों के घरों में भी डस्टिंग करने लगते हैं. ऐसी अवस्था से बचें.

अपनी बेटियों को करें प्रोत्साहित आत्मविश्वास भरना बेहद आवश्यक

आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

कहते हैं कि बेटियां अपने माता-पिता के लिए बेहद ख़ास होती हैं। जितनी वो खास होती हैं उतनी ही ख़ास उनकी देखभाल भी होती है। जैसे-जैसे बेटियां बड़ी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उनके प्रति माता-पिता की जिम्मेदारी भी बढ़ती जाती है। बात अगर पुराने जमाने की करें तो पहले घर-परिवार में बेटियों के पैदा होने पर उन्हें शगुन और साक्षात देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता था। लेकिन आज के समय में भी बेटियां अपने आत्मविश्वास से ऊंचे से ऊंचा आसमान छूने की प्रतिभा रखती हैं। आज के समय में उनका दर्जा लड़कों से कम नहीं है। ये सब कुछ उनके माता-पिता की परवरिश का नतीजा होता है, जिससे उनका सिर गर्व से ऊपर उठता है। बहुत से माता-पिता होते हैं जो अपने बच्चों की तरक्की देखना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि उनकी बेटी हर दिशा में आगे बढ़े, चाहे वो कोई भी काम क्यों ना हो। यदि आप के घर में भी बेटी है तो आज का ये लेख खास आपके लिए है, जिसके जरिये हम आपको बताएंगे कि कैसे आप उसकी सही तरीके से परवरिश करें जिससे वो आत्मविश्वास से भरी रहे। तो चलिए फिर शुरू करते हैं।

1. बेटी को करें प्रोत्साहित–जब बेटी बड़ी होती है, तो उसकी जरूरतें भी अल्फ होती चली जाती हैं। आप उसे जमीन से जुड़े रहना सिखाएं। अगर वो आगे बढ़ाने के लिए अपने भविष्य को लेकर कुछ चुनाव करती है तो उसे हताश ना करें। उसका साथ दें। एक बच्चे के लिए उसके माता-पिता का साथ बेहद जरूरी होता है। आप उसे प्रोत्साहित करें। ताकि उसके अंदर का आत्मविश्वास कम ना हो।

2. बेटी की करें तारीफ– आप अपनी बेटी को बताएं की वो दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की है। उसके अंदर कोई भी कमी नहीं है। उकसे अंदर ऐसी बात है जो उसे बाकियों से जुदा बनाती है। इससे बिटिया का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

3. सीखने का दें अवसर—अगर बेटी को संगीत या किसी भी तरह की एक्टिविटी में इन्ट्रेस्ट हैं लेकिन वो इन में फिट नहीं बैठते। ऐसे में अगर आप उसका साथ नहीं देंगे तो उसका मनोबल टूटता चला जाएगा। उसे सीखने का अवसर जरुर दें। उसे अपनी असल प्रतिभा धीरे-धीरे खुद समझ आएगी और वो आगे बढ़ेगी।

4. बेटी को सिखाएं समाजिकता—बेटी को समाज और उससे जुड़ी बातों के बारे में सिखाएं। उसे सिखाएं कि अगर उससे कोई दोस्ती नहीं करता तो उसका क्या कारण हो सकता है। समाज के प्रति उसके अंदर नकारात्मकता ना भरें। वरना एक समय के बाद वो समाज को नकारात्मक नजरिये से देखने लगेगी। उसे सभी पहलुओं के बारे में जरुर सिखाएं।

5. बढ़ाएं बेटी की क्षमता–अगर आपकी बेटी अपना होमवर्क कर रही है तो यूं ही उसकी मदद ना करें। वो जब तक आपसे मदद नहीं मांगती तब तक उसकी मदद मत करें। उसे उसकी क्षमता के अनुसार काम करने दें। उसे अपने दम में हमेशा आगे बढ़ने के लिए ही प्रोत्साहित करें।

6.ना थोपें अपनी मर्जी– आज के समय में बेटियां स्पोर्ट्स को ज्यादा पसंद कर रही हैं, और उसी में अपना भविष्य भी तय कर रही हैं। अगर वो एक जिमनास्टिक बनना चाहती है या फुटबॉल खेलना चाहती है तो उसे आगे बढ़ने दें, ना की अपना फैसला या अपनी चाह उसपर थोपें। आप ये जरुर पता लगा सकते हैं, कि वो किस खेल को खेलने के लिए ज्यादा सक्षम है। आप खुद उसके लिए कोई खेल तय ना करें।

7. मत बनाइए कमजोर—आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

8. सेक्सिज्म के लिए करें तैयार–बहुत लोगों की सोच है कि बेटियां वो काम नहीं कर सकती जो बेटे कर सकते हैं। अगर आप अपनी बेटी को वो टीवी शो या फ़िल्में देखते हुए नोटिस करते हैं जो पूरी गर्ल्स पर आधारित होती है तो उसे समझिये और उसे सेक्सिज्म के लिए तैयार करें।

9. बेटी को दिखाएं रोल मॉडल–अक्सर ऐसा होता है जब भी आप कोई न्यूज़ देखते या पढ़ते हैं तो उसमें आपको कई महिलाएं सीनेटरी, खिलाड़ी, चिकित्सक या एथलीट दिखेंगी। ये अच्छा तरीका होता है अपनी बेटी को इन महिलाओं के बारे में दिखाना और समझाना। आप इम्नें से कोई भी अपनी बेटी के लिए रोल मॉडल चुनने में उसकी मदद कर सकते हैं।

तो ये कुछ ऐसी खास टिप्स हैं, जिनकी मदद से आप अपनी बिटिया को अच्छी परवरिश देने के साथ उसमें आत्मविश्वास भर सकते हैं। अगर आपकी भी बेटी है तो आप हमारी बताई हुई टिप्स को जरुर आजमाएं। आपको इससे बेहतर परिणाम मिलेगा।

इनसाइड

हवाई यात्रा के दौरान सिखों के कृपाण रखने पर पाबंदी नहीं, अदालत ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। याचिकाकर्ता हर्ष विभोर सिंघल ने दावा किया था कि उड़ान में कृपाण ले जाने की अनुमति देने के मुद्दे पर विचार-विमर्श के लिए हितधारकों की एक समिति गठित की जानी चाहिए। सिंघल ने केंद्र सरकार की चार मार्च, 2022 को जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने हवाई यात्रा के दौरान सिखों को कृपाण साथ रखने की अनुमति के खिलाफ एक जनहित याचिका खारिज कर दी। प्रधान न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा ने कहा कि याचिका खारिज की जाती है।

याचिकाकर्ता हर्ष विभोर सिंघल ने दावा किया था कि उड़ान में कृपाण ले जाने की अनुमति देने के मुद्दे पर विचार-विमर्श के लिए हितधारकों की एक समिति गठित की जानी चाहिए। सिंघल ने केंद्र सरकार की चार मार्च, 2022 को जारी अधिसूचना को चुनौती दी थी। इसमें कहा गया था कि सिख यात्रियों को भारत में सभी घरेलू मार्गों पर संचालित होने वाली यात्री उड़ानों में अपने साथ कृपाण ले जाने की विशिष्ट नियामक मंजूरी लेनी होगी। हवाई यात्रा के दौरान सिख यात्रियों की कृपाण की ब्लेड की लंबाई छह इंच और कृपाण की कुल लंबाई नौ इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए। पीठ ने पहले मौखिक रूप से टिप्पणी की थी कि यह भारत सरकार की नीति है और अदालत इसमें तब तक हस्तक्षेप नहीं कर सकती जब तक कि इसमें मनमानी न की जा रही हो। याचिकाकर्ता ने कहा था कि वह संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत किसी धर्म को मानने और उसका पालन करने के अधिकार पर प्रश्न नहीं उठा रहा है बल्कि इस मुद्दे की जांच के लिए हितधारकों की एक समिति का गठन चाहता था।

व्यस्त सड़कों पर चौड़े रास्ते बनाए रखें: उच्च न्यायालय

उच्च न्यायालय ने कहा है कि पैदल चलने वालों की सुविधा, खासकर भीड़भाड़ वाली सड़कों पर समान रूप से चौड़े रास्ते की जरूरत है। मथुरा रोड पर मंदिर के पास स्थित मस्जिद के कारण पीडब्ल्यूडी के रास्ते में आ रही रुकावटों के मामले में दिल्ली वक्फ बोर्ड को नोटिस जारी करते हुए अदालत ने यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने मंदिर के रखवालों की एक याचिका पर वक्फ बोर्ड को नोटिस जारी किया है।

सरकार के वकील ने दी ये दलील

आईटीओ के पास मंदिर द्वारा कथित अतिक्रमण पर प्राधिकार की तरफ से पत्र भेजने के बाद इस महीने की शुरुआत में उच्च न्यायालय चले गए थे। दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि रास्ते के लिए छह मीटर चौड़ाई की जरूरत थी, जिसे मंदिर ने बंद कर दिया था। वकील ने कहा कि मंदिर के बगल में एक मस्जिद भी है और दिल्ली वक्फ बोर्ड को भी नोटिस भेजा गया है। अभी रास्ता छह मीटर की जगह जरूरत के मुताबिक 2.5 मीटर चौड़ा है।

वक्फ बोर्ड के वकील को बुलाओ, हम इसे सुलझा लेंगे: कोर्ट

अदालत ने कहा कि वक्फ बोर्ड के वकील को बुलाओ, हम इसे सुलझा लेंगे। भारी ट्रैफिक होने की वजह से सड़क पर चलना संभव नहीं है और ऐसे में पैदल चलने वालों की सहूलियत के लिए जगह जरूरी है। पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ को एकसमान बनाया जाएगा। पैदल मार्ग को एक समान बनाने की जरूरत को देखते हुए दिल्ली वक्फ बोर्ड को नोटिस जारी करें। मथुरा रोड जैसी व्यस्त सड़क पर छह मीटर चौड़े पैदल मार्ग को समान रूप से बनाने की जरूरत है, ताकि पैदल चलने वालों के लिए जगह हो।

23-24 दिसंबर को दिल्ली-मथुरा हाईवे पर प्रभावित रहेगा यातायात, इन रूटों पर जाने से बचें

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को फरीदाबाद में निकाली जा रही है। इस दौरान कई रूटों पर यातायात प्रभावित रहेगा

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा के चलते दिल्ली-मथुरा हाईवे पर दो दिन तक यातायात बाधित रहेगा। ऐसे में आप इन रूटों पर जानें से बचें। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को फरीदाबाद में निकाली जा रही है। इस दौरान कई रूटों पर यातायात प्रभावित रहेगा। ऐसे में इन रूटों के प्रयोग करने से बचें। आइए जानते हैं किन रूटों की प्रयोग करके आप आसानी से घर पहुंच सकते हैं।

23 दिसंबर को बल्लभगढ़ से धौज के रास्ते सोहना जाने वाले सभी प्रकार का यातायात सुबह चार बजे से दोपहर तक पूर्णतया बंद रहेगा। शाम चार बजे से बड़खल चौक, ओल्ड चौक और नीलम अजरोंदा चौक से एनआईटी की तरफ आने जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों पर पाबंदी रहेगी। शाम 4 बजे से दिल्ली-मथुरा रोड पर नीलम फ्लाईओवर से दिल्ली की तरफ जाने वाला सर्विस रोड और एनएच-2 पर भारत जोड़ो यात्रा के चलते सभी प्रकार का यातायात बंद रहेगा।

इसके अलावा मथुरा-दिल्ली हाईवे से एनआईटी में आने-जाने के लिए सोहना रोड फ्लाईओवर, बाटा चौक फलाईओवर, मेवला महाराजपुर अंडर पास व एनएचपीसी चौक ग्रीनफील्ड अंडर पास का प्रयोग करें। दिल्ली बॉर्डर से फरीदाबाद बल्लबगढ़ पलवल की तरफ जाने वाले वाहनों का आवागमन रोजना की तरह चलता रहेगा। 24 दिसंबर को सुबह चार बजे से सुबह नौ बजे तक दिल्ली की तरफ जाने वाला सर्विस व एनएच-2 रोड और मेवला महाराजपुर, ग्रीन फिल्ड, एनएचपीसी चौक पूर्णतया बंद रहेंगे।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा सोहना की तरफ से खोरी जमालपुर गांव से सीधा चलकर सिरोही गांव धौज से होते हुए पाली चौक से बाएं होते हुए पाली डबुआ रोड से होते हुए 17 नंबर चुंगी होते हुए 3 नंबर पुलिया से सीधे 2/3 के गोल चक्कर से होते हुए बांए मुडकर ईएसआई लाल बत्ती से दाहिने रोज गार्डन के सामने से मेट्रो चौक से बाएं मुडकर बीके चैक से दाहिने मुडकर सीधे नीलम चौक से राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के अजरोंदा फ्लाईओवर पहुंचेगी। दिल्ली-मथुरा रोड़ से ओल्ड चौक व बडखल चौक से होते हुए गोपाल गार्डन में शाम को पब्लिक मीटिंग करेगें। मीटिंग के बाद यहीं पर रात्रि विश्राम रहेगा।

ऐसे में पलवल से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन केजीपी का उपयोग करेंगे। 23 दिसंबर को सायं 4 बजे से पलवल से दिल्ली जाने वाले यात्री कैली फ्लाईओवर के नीचे से बाईपास रोड़ होते हुए यात्रा करेंगे। एनआईटी एरिया से दिल्ली जाने वाले यात्री बाटा फ्लाईओवर से बल्लभगढ़ की ओर जाकर कैली फ्लाईओवर से बाईपास होते हुए दिल्ली जाएंगे। अनखीर चौक, अनगंपुर चौक से पहलादपुर, शूटिंग रेंज के रास्ते दिल्ली जा सकते हैं। दिल्ली से पलवल जाने वाला ट्रैफिक मथुरा हाईवे पर निरंतर चलता रहेगा। वाहन चालको ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार ही अपनी यात्रा प्लान करें ताकि परेशानी का सामना न करना पड़े।

शैली ओबरॉय होंगी आप की मेयर, डिप्टी मेयर और चार स्टैंडिंग कमिटी मेंबर के नामों का भी एलान

दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई पीएसी की बैठक के बाद आप ने दिल्ली मेयर पद के लिए शैली ओबरॉय के नाम का एलान किया है। इसके साथ ही डिप्टी मेयर के नाम की भी घोषणा कर दी गई है।

दिल्ली में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी ने मेयर पद के नाम की घोषणा कर दी है। आप की शैली ओबरॉय मेयर होंगी। एमसीडी चुनाव जीतने के बाद से ही दिल्ली के नए मेयर को लेकर चर्चाएं तेज थी। शुक्रवार को हुई पीएसी की बैठक में शैली का नाम तय किया गया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर शुक्रवार को पीएसी की बैठक आयोजित की गई। इसमें प्रदेश अध्यक्ष सहित पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में एमसीडी के लिए छह नाम तय किए गए। इसमें पटेल नगर से पार्षद चुनी गईं शैली ओबेरॉय को मेयर पद के लिए चुना गया।

इसके अलावा मटिया महल से पार्षद चुने गए आले मोहम्मद इकबाल को डिप्टी मेयर पद के लिए चुना गया है। साथ ही चार स्टैंडिंग कमेटी मेंबर भी चुने गए। इसमें करावल नगर से पार्षद आमिल मलिक, हरि नगर से पार्षद रमिंदर कौर, सीमापुरी से पार्षद मोहिनी जीनवाल, जंगपुरा से पार्षद सारिका चौधरी शामिल हैं।

सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन, दिल्ली में गिरा पारा, सीजन की सबसे ठंड सुबह, सड़कों पर दिखा सन्नाटा

नई दिल्ली। मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। कोहरे के कारण सड़कों पर भी सन्नाटा दिखा। शुक्रवार की सुबह दिल्ली की सबसे ठंड सुबह रही। देश की राजधानी दिल्ली में शुक्रवार की सुबह इस सीजन की सबसे ठंडी सुबह रही। इस समय न्यूनतम तापमान 5.3 दर्ज किया गया। वहीं रिज क्षेत्र मे 4.3 का तापमान दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5 डिग्री रहा। सर्द हवाओं के बीच ठिठुरन भरी ठंड में लोग सिकुड़ते नजर आए।

सर्द हवाओं के बीच बढ़ी ठिठुरन से सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। नौकरी-पेशा वाले लोगों को छोड़कर आवश्यक काम होने पर ही लोग घरों से बाहर निकले। बाजार में भी चहल पहल सामान्य से कम रही। दिन चढ़ने के साथ धूप तो निकली लेकिन सर्द हवाओं के प्रभाव बराबर बना रहा।

देश के अन्य प्रदेशों की बात करें तो यहां भी ठंड बढ़ गई है। कोहरे का कारण सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा। विजिबिलिटी की बात करें तो शुक्रवार की सुबह 8:30 बजे पंजाब के पटियाला में 25, भटिंडा में 100, अमृतसर और लुधियाना में 200 मीटर दर्ज की गई। इसके अलावा अंबाला में 25, हिसार, रोहतक और करनाल में 50 मीटर की विजिबिलिटी रही। वहीं चंडीगढ़ और दिल्ली में 200 मीटर रही। पश्चिमी राजस्थान में कोहरे का असर रहा। यहां चुरू और गंगानगर में 50 तो बीकानेर में 200 मीटर रही। इसके साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी मौसम ने अपना रुख बदल लिया है। यहां भी ठंड का असर देखने को मिला। पश्चिमी यूपी के मेरठ और बरेली में 50 मीटर तो पूर्वी यूपी के गोरखपुर में विजिबिलिटी 50 रही। वहीं बिहार के पूर्णिया में 25 और सुपौल में 200 दर्ज की गई। हिमालयी क्षेत्रों की बात करें तो कूच बेहर में 50, जलपाईगुड़ी में 200 वहीं त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में 50 दर्ज की गई।

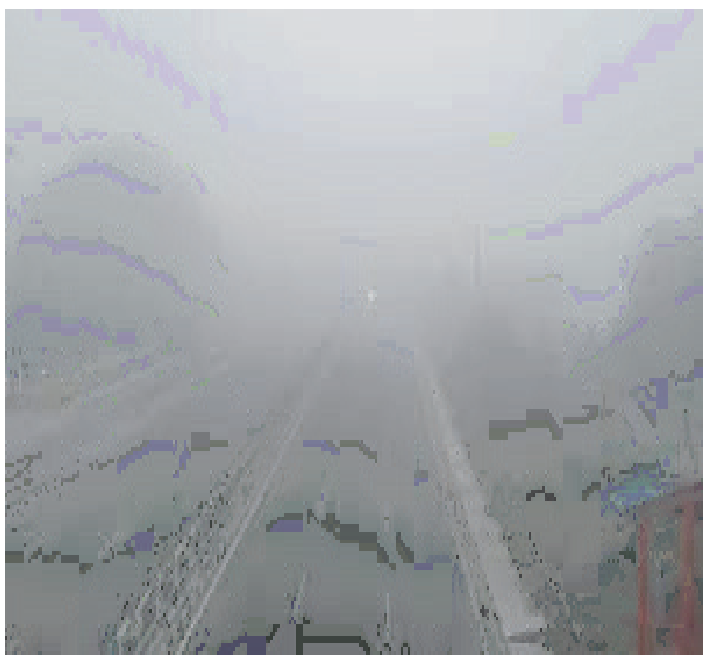

विकेंद्रीकरण प्रक्रिया पेंशन के लिए लागू, आठ लाख लोगों को होगा लाभ, आसानी से समस्या का हो सकेगा समाधान

एनटीवी संवाददाता

समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद ने उत्तर पश्चिम जिले के तिलक नगर स्थित कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने विकेंद्रीकरण प्रक्रिया व्यवस्था का जायजा लिया।

दिल्ली सरकार ने पेंशन के लिए विकेंद्रीकरण प्रक्रिया व्यवस्था लागू कर दी है। सरकार के इस कदम से लाभार्थियों की समस्या का आसानी से निवारण किया जाएगा। इस व्यवस्था से करीब आठ लाख लोगों को फायदा होगा। यह जानकारी दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद ने दी।

आनंद ने गुरुवार को समाज कल्याण विभाग के उत्तर पश्चिम जिले के तिलक नगर स्थित कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और तत्काल निवारण के आदेश दिए। इसके अलावा उन्होंने विकेंद्रीकरण प्रक्रिया व्यवस्था का जायजा लिया।

इसके बाद उन्होंने सुनिश्चित किया कि अगर कोई लाभार्थी किसी समस्या को लेकर आता है तो उसका तुरंत निवारण करें और फॉर्म पर चिह्नित कर बेहतर सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंशन के मामले में जिन लाभार्थियों का आधार कार्ड लिंक नहीं है उनसे फोन और अन्य माध्यमों से संपर्क कर जल्द से जल्द आधार कार्ड को लिंक किया जाए।

सीएम केजरीवाल बोले- नए वेरिएंट से निपटने के लिए पूरी तैयारी, जानें- सरकार ने क्या उठाए कदम?

एनटीवी संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को पॉजिटिव केस जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजने, एहतियाती डोज बढ़ाने, जरूरी चीजों की खरीद के लिए मंजूरी लेने, अस्पतालों में मशीनों का निरीक्षण व कर्मचारी बढ़ाने के निर्देश भी दिए।

वैश्विक स्तर पर बढ़ रहे कोरोना के मामलों के बीच दिल्ली सरकार ने नए वेरिएंट बीएफ.7 से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, मुख्य सचिव सहित दिल्ली सरकार के विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें उन्होंने दिल्ली में उपलब्ध चिकित्सा संसाधन व सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही, आवश्यक संसाधनों को खरीदने व कर्मचारी बढ़ाने सहित अन्य जरूरतों को पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में अभी तक नए वेरिएंट का कोई केस नहीं मिला है। फिर भी सरकार हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को पॉजिटिव केस जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजने, एहतियाती डोज बढ़ाने, जरूरी चीजों की खरीद के लिए मंजूरी लेने, अस्पतालों में मशीनों का निरीक्षण व कर्मचारी बढ़ाने के निर्देश भी दिए। केजरीवाल ने कहा कि अगर जरूरत पड़ेगी तो हम रोजाना एक लाख तक टेस्ट कर सकते हैं। पिछली लहर में 25 हजार बेड तैयार किए थे। इस बार तैयारी 36 हजार बेड की है। वर्तमान में हमारे पास 928 मीट्रिक टन ऑक्सीजन स्टोर करने की क्षमता के साथ छह हजार ऑक्सीजन सिलिंडर और 15 ऑक्सीजन टैंकर हैं।

डोज बढ़ाने के दिए निर्देश

दिल्ली में अधिकांश हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स को एहतियाती डोज के साथ टीका लगाया गया है। 18-59 और 60 आयु वर्ग के नागरिकों को जल्द से जल्द डोज लगाने की आवश्यकता है। तीनों श्रेणियों के 1.4 करोड़ से अधिक लोगों को एहतियाती डोज दी जानी है, जबकि 33.58 लाख से अधिक लोगों को दी जा चुकी है। 21 दिसंबर तक दिल्ली में 3.73 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।

केंद्र के निर्देश का सख्ती से पालन

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कहा कि केंद्र सरकार से मिले दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। दिल्ली में अभी 92 फीसदी केस एक्स बीबी वेरिएंट के है। इसमें बेहद मामूली लक्षण लोगों में दिखते हैं।

एंबुलेंस-बेड बढ़ाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में वर्तमान में 380 एंबुलेंस तैयार हैं। नई एंबुलेंस के लिए ऑर्डर दिए गए हैं। दिल्ली के अस्पतालों में 13 जगहों पर आठ हजार से अधिक बेड तैयार करने के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही, 1100 से अधिक केस का होम आइसोलेशन में इलाज कर सकते हैं।

ऑक्सीजन की स्थिति

दिल्ली में 928.58 मीट्रिक टन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) है। इसके अतिरिक्त राज्यभर में 8 आरक्षित भंडारण टैंकों में एलएमओ का 442 मीट्रिक टन बफर है। वर्तमान में चिकित्सा संस्थानों के पास ऑक्सीजन सिलिंडरों में 224.89 मीट्रिक टन एलएमओ है। सरकार के पास रिजर्व में 6,000 अतिरिक्त ऑक्सीजन सिलिंडर हैं। दिल्ली में कुल 98 पीएसए प्लांट हैं, जिनकी क्षमता 116.96 मीट्रिक टन है। सरकार के पास प्रतिदिन 1400 सिलिंडरों को फिर से भरने के लिए 12.5 मीट्रिक टन एलएमओ की क्षमता वाले 2 क्रायोजेनिक बॉटलिंग प्लांट भी उपलब्ध हैं।

आईएमए ने जारी की सलाह

सभी सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क जरूर लगाएं।

भीड़ वाली जगहों पर सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखें।

नियमित रूप से हाथ धोएं।

विवाह, राजनीतिक या सामाजिक बैठकों से दूरी बनाएं रखें।

अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करने से बचें।

बुखार, गले में खराश, खांसी, दस्त आदि जैसे किसी भी लक्षण के मामले में डॉक्टर से परामर्श लें।

एहतियाती खुराक सहित जल्द कोविड टीकाकरण करवाएं।

एम्स, आरएमएल सहित अन्य अस्पतालों के कर्मियों को मास्क पहनने की हिदायत

एम्स ने परिसर में कर्मचारियों को मास्क पहनने की सलाह दी है। साथ ही, एक जगह पर पांच से अधिक कर्मचारी एकत्रित न होने की हिदायत भी दी गई है। वहीं, सफदरजंग अस्पताल, लेडी हार्डिंग और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के कर्मियों के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं। एम्स प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कोरोना की रोकथाम के लिए कार्यस्थल पर फिर से कपड़े के फेस कवर व सर्जिकल मास्क का उपयोग अवश्य करें।

कार्यस्थल की उचित सफाई और लगातार स्वच्छता सुनिश्चित करें, विशेष रूप से बार-बार छुई जाने वाली सतहों को साफ रखें। छींकते और खांसते समय नाक और मुंह को कोहनी, रूमाल व टिश्यू से ढकें। अधिकारियों के बीच पर्याप्त दूरी सुनिश्चित करने के लिए अनुभागों/कमरों में बैठने की व्यवस्था की जाए। कैंटीन में इकट्ठा न हों। किसी भी स्थान पर पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने से बचें। कार्यालय परिसर में आगंतुकों के प्रवेश को अधिकतम सीमा तय हो। आगंतुकों को स्क्रीनिंग के बाद ही जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। सभी अधिकारी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

15 ई-बसों का शुरू होगा ट्रायल

एनटीवी न्यूज

साहिबाबाद। परिवहन निगम शुक्रवार से 15 ई-बसों का ट्रायल शुरू करेगा। यह बसें कौशांबी से दादरी और सेक्टर 62 से गोविंदपुरम रुट पर चलाई जाएंगी। ट्रायल एक सप्ताह तक होगा। गाजियाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट के प्रबंधक पीआर बेलवरियर ने बताया कि 15 नई बसों का रजिस्ट्रेशन हो गया है। नंबर प्लेट भी लग गई हैं। अभी इन बसों को दो रूटों पर ही चलाया जाएगा। 30 बसें पहले से ही शहर में चल रही हैं। अकबरपुर-बहरामपुर की ई-बसों की डिपो से रोजाना 45 बसें संचालित होगी। वहीं जल्द ही पांच बसें भी डिपो को मिल जाएंगी।

ट्रायल के बाद बसों में फीड किया जाएगा रोडमैप

अकबरपुर-बहरामपुर पर इन बसों के लिए कंट्रोल रूम बनाया है, यहां से ही इन सभी ई-बसों को ट्रेस किया जाता है। जो बसें अभी ट्रायल के लिए चलेंगी, उन पर अभी रोड मैप नहीं डाला गया है। ट्रायल के बाद ही इनमें रूटों के हिसाब से डाटा फीड किया जाएगा। इस पर तकनीकी टीम कार्य कर रही है।

इन रूटों पर भी चलाई जाएगी ई-बसें

- कौशांबी से दादरी
- सेक्टर 62 से गोविंदपुरम
- लालकुआं से कौशांबी बस अड्डे
- राजनगर एक्सटेंशन से कौशांबी

बिटकॉइन में निवेश पर ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर 4.21 लाख ठगे

इंदिरापुरम। वसुंधरा निवासी संजय कुमार पटेल ने इंदिरापुरम थाने में शातिरों पर चार लाख 21 हजार रुपये की ठगी व धोखाधड़ी का मुकदमा कराया है। आरोप है कि शातिरों ने अलग-अलग नंबर से झांसे में लेकर उनसे लिंक के जरिये वेबसाइट पर पंजीकरण व निवेश कराया। वसुंधरा सेक्टर-4सी निवासी संजय ने बताया कि व्हाट्सएप ग्रुप पर बिटकॉइन में निवेश करने पर ज्यादा मुनाफे का मेसेज आया था। इसके बाद उन्होंने संबंधित नंबर पर संपर्क किया तो उन्हें 20 फीसदी कमीशन पर निवेश करने के लिए कहा गया। आरोप है कि शातिर ने कंपनी का पदाधिकारी बनकर उन्हें भरोसा दिया कि नुकसान होने पर कंपनी 100 फीसदी भरपाई करती है। इससे उसके झांसे में आकर उन्होंने 4.21 लाख रुपये निवेश कर दिए। जब वह ग्रुप पर जुड़े तो उन्हें बताया गया कि कंपनी की तरफ से लगातार टिप्स देकर निवेश करने की जानकारी दी गई। ग्रुप पर जुड़े कई लोग अपने निवेश पर आए रिटर्न के स्क्रीनशॉट भी साझा करते थे जिससे उन्हें भरोसा हो गया कि वह भी निवेश कर अच्छा मुनाफा कर पाएंगे, लेकिन रकम निवेश करते ही उनकी पूरी रकम डूब गई। बाद में, उन्होंने कंपनी में संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन अधिकांश नंबर बंद मिले। इंदिरापुरम थाना प्रभारी देवपाल सिंह पुंडीर का कहना है कि साइबर सेल में मामले की जांच की जा रही है। सभी नंबरों की सीडीआर व स्वामी का पता किया जा रहा है।

दंपती ने कारोबारी से जमीन का सौदा कर हड़पे नौ करोड़

गाजियाबाद। पटेल नगर निवासी कारोबारी अभिषेक गोयल से एक दंपती ने जमीन का सौदा कर नौ करोड़ रुपये हड़प लिए। साथ ही फर्जी एग्रीमेंट के आधार पर 1.75 करोड़ रुपये की देनदारी भी दिखा दी। मामले में उन्होंने सिहानी गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अभिषेक गोयल ने बताया कि उनका एक फ्लैट राजनगर एक्सटेंशन की केडब्ल्यू सृष्टि सोसायटी में है। उनके फ्लैट के सामने अतांश गुप्ता और उसकी पत्नी रहती हैं। 2020 में दंपती ने उनसे मेलजोल बढ़ा लिया और सभी पारिवारिक जानकारी ले ली। अभिषेक का कहना है कि उनका मेरठ रोड औद्योगिक क्षेत्र में छह हजार वर्गगज का एक प्लॉट है। आरोप है कि अतांश ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर उसका सौदा लोकेश कुमार से करके नौ करोड़ रुपये ले लिए। अप्रैल 2021 में अभिषेक की पत्नी का ऑपरेशन था। उस दौरान उन्होंने अतांश से सौदा करने के लिए कहा था लेकिन सौदा करके उसने ही रुपये हड़प लिए। उन्होंने रुपये का तगादा किया तो अतांश ने फर्जी एग्रीमेंट बनवाकर उनपर 1.75 करोड़ रुपये उधार दिखा दिए। मामले में उन्होंने पुलिस में शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने कोर्ट का सहारा लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

फरीदाबाद से बढ़ी आगे, बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग, 3 जनवरी को यूपी में करेगी प्रवेश

फरीदाबाद। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को फरीदाबाद के खेरली लला गांव से शुरू हुई। सुबह 6 बजे शुरू हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान लोग तिरंगा लहराते चल रहे थे। यह यात्रा पानीपत तक जानी है। इसमें कांग्रेसजन के अलावा आम आदमी भी हिस्सा ले रहे हैं।

दरअसल, कांग्रेस पार्टी जनाधार बढ़ाने के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है। इसका नेतृत्व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी कर रहे हैं। कांग्रेसियों का मानना है कि इस यात्रा से लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं। यात्रा के माध्यम से हर धर्म, जाति के लोगों के बीच कांग्रेस का जनाधार बढ़ रहा है। इसमें शामिल होने के लिए पार्टी की तरफ से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी करवाए जा रहे हैं। इसमें शामिल होने वाले लोगों से पूछा जा रहा है कि वह एक यात्री तरह इसमें शामिल होना चाहते हैं या फिर वालंटियर की तरह ? कांग्रेसियों का मानना है कि यह यात्रा लोगों में पार्टी के प्रति एक अलग छाप छोड़ रही है। भारत जोड़ो यात्रा 3 जनवरी को दिल्ली से यूपी की सीमा में प्रवेश करेगी।

इनसाइड

सेलिब्रेशन बैंक्वेट हॉल में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, काबू पाने की कोशिश जारी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना इलाके के अर्थला में सेलिब्रेशन बैंक्वेट हॉल में शुक्रवार को आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए जुट गईं। साहिबाबाद फायर स्टेशन ऑफिसर सत्येंद्र कुमार का कहना है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। फिलहाल आग की स्थिति को देखकर वैशाली स्टेशन से अभी दमकल की गाड़ी मंगाई गई है।

फरीदाबाद में चाय की चुस्कियां लेते हुए राहुल गांधी ने की आम लोगों से बात

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हरियाणा के फरीदाबाद में भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को फरीदाबाद के खेरली लला गांव से शुरू हुई। सुबह 6 बजे शुरू हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हरियाणा में इस यात्रा का शुक्रवार को तीसरा दिन है। सुबह के समय अंधेरा अधिक होने के कारण राहुल गांधी मोबाइल की टॉर्च ऑन करते ही की उसकी लाइट में आगे बढ़ते नज़र आए।

हिंडन नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने को निगम का एक्शन प्लान, गंदगी फैलाने पर लगेगा पांच लाख का जुर्माना

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अब सफाई निरीक्षक हिंडन नदी की निगरानी करेंगे। यहां गंदगी फैलाने वालों से जुर्माना वसूला जाएगा। नदी में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए निगम ने सख्ती अपनाने की योजना बनाई है। गाजियाबाद में हिंडन नदी किनारे गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसा करते पकड़े जाने पर 50 हजार से पांच लाख रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसकी निगरानी करने के लिए पहली बार सफाई निरीक्षकों की तैनाती की गई है। सहारनपुर से ग्रेटर नोएडा तक हिंडन नहीं काफी दूषित हो चुकी है। इसमें प्रदूषित पानी छोड़ा जा रहा है। यही नहीं आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लोग नदी किनारे कूड़ा-कचरा फेंकते हैं। कबाड़ बीनने वाले लोग कचरे से लोहा निकालने के चक्कर में इसमें आग लगा देते हैं। इससे नदी व किनारे रहने वाले जीव-जंतु मर रहे हैं। इसमें शहर के आठ नालों का पानी गिर रहा है। इसके अस्तित्व को बचाए रखने के लिए नगर निगम ने एक्शन प्लान बनाया है। नदी में गिरने वाले नालों पर निगम जाली लगाने की योजना बना रहा है। साथ ही सफाई निरीक्षकों की गई है। नियमों का उलंघन करने वालों से जुर्माना वसूला जाएगा। जुर्माना वसूलने वाली टीम पर पुलिस और प्रदूषण बोर्ड के अधिकारी भी शामिल रहेंगे।

नोएडा जिला अस्पताल में कोविशील्ड का स्टाक खत्म

उप जिला टीकाकरण अधिकारी डा. उबैद का कि ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआइ और दादरी स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर कोवैक्सीन लगाई जा रही है। विभाग के पास 300 वायल है। कोवैक्सीन 31 जनवरी 2023 अवधि पार की तारीख है।

नोएडा। पड़ोसी देश चीन में कोरोना के बढ़ते मामलों के जिले में सतर्कता डोज के लिए लोग सरकारी टीकाकरण केंद्रों की दौड़ लगाने लगे हैं। लेकिन जिले में कोविशील्ड (कोरोना वैक्सीन) का स्टाक खत्म होने के कारण जिला अस्पताल समेत कई जगह वैक्सीनेशन बंद करना पड़ा है।

बुधवार को कोविशील्ड की सतर्कता डोज लगवाने के लिए पहुंचे लोगों को बैरंग लौटकर निजी केंद्रों में 300 रुपये खर्च कर वैक्सीन लगवानी पड़ी। शासन स्तर से कोरोना की सतर्कता डोज के लिए 30 सितंबर की मियाद तय की गई थी, लेकिन इस दौरान संक्रमण होने पर कम ही लोग सामने आ रहे थे।

इस कारण विभाग की ओर से डोर-टू-डोर के साथ ही कई स्वास्थ्य केंद्रों पर कोरोना टीकाकरण बंद कर दिया गया था। विभाग के पास जो पुराना स्टाक था उसी से छूटे लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही थी। लक्ष्य के सापेक्ष 25 प्रतिशत को सतर्कता डोज लगाई जा सकी है। लेकिन चीन में कोरोना बढ़ते मामलों में लोगों को चिंता में डाल दिया है। मगर कोविशील्ड वैक्सीन की किल्ल लोगों निराशा हाथ में लगी है।

उप जिला टीकाकरण अधिकारी डा. उबैद का कि ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स, सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआइ और दादरी स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर कोवैक्सीन लगाई जा रही है। विभाग के पास 300 वायल है। कोवैक्सीन 31 जनवरी 2023 अवधि पार की तारीख है।

विभाग कोरोना संदिग्धों की जांच का दायरा बढ़ागा। अभी निजी अस्पताल, लैब और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रतिदिन 400-500 संदिग्धों की जांच हो रही है। कोरोना संक्रमितों की कान्टैक्ट ट्रैसिंग के बाद जांच कराई जाएगी। पाजीटिव व्यक्ति की निगरानी के लिए कोविड इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर को एक्टिव किया जाएगा।

विदेश से लौटने वाले की निगरानी होगी। पाजीटिव नमूनों की जीनोम सिक्वेंसिंग होगी। सीएमओ डा. सुनील कुमार शर्मा का कहना है कि संदिग्धों की जांच हो रही है। विभाग के पास पर्याप्त डाक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, मास्क, आक्सीजन और कोविड अस्पताल, मेडिकल कालेज में पर्याप्त संख्या में बिस्तर और आक्सीजन बेड उपलब्ध हैं।

जिले में टीकाकरण की स्थित

जिले में कुल टीकाकरण-46,15,715
-प्रथम डोज-23,36,275
-द्वितीय डोज-18,75,925
-सतर्कता डोज-4,03,515
-सतर्कता डोज लेने के योग्य लोगों की संख्या-16 लाख 48 हजार
-कितने लोगों ने सतर्कता डोज नहीं-12 लाख 46 हजार

वैक्सीन लगवाने वाले महिला और पुरुषः
पुरुष-24,87,589
महिला-17,21,983
कोविशील्ड-37,56,406
कोवैक्सीन-7,25,566
कोर्बोवैक्स-1,32,384

अधिकतर स्कूलों में सर्दी की छुट्टी हुई घोषित

घने कोहरे के कारण नोएडा के सभी स्कूल अब सुबह 9 बजे से खुलेंगे, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

उम्र के हिसाब से वैक्सीनेशन के लाभार्थी

12-14 - 1,32,559
15-17 - 2,02,228
18-44 - 29,00,203

हर थाने में है एंटी रोमियो स्क्वाड पर कॉलेजों के बाहर नहीं

गाजियाबाद/साहिबाबाद। महिला और छात्राओं की सुरक्षा के लिए बनाई गई एंटी रोमियो स्क्वाड तो सभी थानों में है लेकिन स्कूलों और कॉलेजों के बाहर नहीं है। ऐसे में महिला सुरक्षा के दावे फेल हो रहे हैं।

बृहस्पतिवार को क्षेत्र में गश्त करने का दावा करने पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वाड टीम छुट्टी के समय स्कूल-कॉलेजों के पास नजर नहीं आई। इसके अलावा पार्कों के पास भी टीम नजर नहीं आई। कई स्कूल प्रबंधन के पास शिकायतें आने पर उन्होंने पुलिस आयुक्त को पुलिसकर्मी तैनात कराने के लिए पत्र लिखा है।

पुलिस थाना : 23
एंटी रोमियो स्क्वाड : 23
स्क्वाड में शमिल कर्मी : 69

सुशीला इंटर कॉलेज
समयः दोपहर दो बजे
कॉलेज से छुट्टी के दौरान बड़ी संख्या में छात्राएं निकली लेकिन कॉलेज के आसपास काफी दूर तक कोई पुलिसकर्मी या एंटी रोमियो स्क्वाड टीम नजर नहीं आई।

इंग्राहम गर्ल्स इंटर कॉलेज
समयः दोपहर तीन बजे
कॉलेज की छुट्टी के समय कॉलेज के आसपास कोई पुलिसकर्मी नजर नहीं आया। जबकि कॉलेज के पास चौराहा है जहां ट्रैफिक लाइट ग्रीन होने पर तेज रफ्तार में वहां से वाहन गुजरते हैं। वहां छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल
समयः दोपहर 2:09 बजे
छुट्टी के समय स्कूल से छात्राएं निकलकर जा रही थीं। स्कूल के पास में वाहन खड़े थे लेकिन कोई पुलिसकर्मी तैनात नहीं दिखा। आसपास चेक पोस्ट पर कोई चेकिंग तक नहीं की जा रही थी।

आईटीएस कॉलेज
दोपहरः 3:28 बजे
छुट्टी के समय कॉलेज की छात्राएं जाती दिखीं। कुछ छात्राएं जीटी रोड की ओर तो कुछ छात्राएं आनंद औद्योगिक क्षेत्र की ओर जा रही थीं। यहां पर भी कोई एंटी रोमियो स्क्वाड नजर नहीं आई।

छेडख़ानी के मामले

केस नंबर एक
टीलामोड़ थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती से डिफेंस कॉलोनी निवासी नीरज ने अगस्त माह में छेड़छाड़ की थी। युवती की शिकायत पर जेल भी जा चुका है। जेल से बाहर आने के बाद तीन दिसंबर को भी युवक ने युवती से छेड़छाड़ की और उस पर तेजाब डालकर बुरा करने की धमकी भी दी थी। इस डर से युवती की छोटी बहन भी घर से बाहर नहीं निकल रही है। युवती ने टीलामोड़ थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

केस नंबर दो
खोड़ा थाना क्षेत्र निवासी एक युवती के घर में 15 दिसंबर को घर में युवक घुस आया। घर में अकेली युवती से युवक ने छेडख़ानी करने की कोशिश की। युवती के शोर मचाने पर युवक भाग गया। घटना के एक घंटे बाद युवक फिर वापस आया।

लोगों के पकड़ने पर युवक अपनी बाइक छोड़कर भाग गया। युवती के परिजन ने खोड़ा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था।

.....

पुलिस की तैनाती के लिए लिखा पत्र

राम चमेली चड्ढा गर्ल्स पीजी कॉलेज की प्राचार्या नीतू चावला ने बताया कि कॉलेज की छुट्टी होने के दौरान पहले पुलिसकर्मी आसपास दिखाई देते थे लेकिन अब काफी समय से नहीं आ रहे हैं। पिछले कुछ समय से उन्हें कॉलेज के आसपास कुछ गतिविधि होने की शिकायत मिली हैं। इसके लिए उन्होंने पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर पुलिस तैनात कराने की मांग की है।

स्कूल के पास नहीं दिखती पुलिस

डीडीपीएस अशोक नगर की प्रधानाचार्या रिचा लॉ ने बताया कि कोविड के बाद जब से स्कूल खुले हैं तब से स्कूल की छुट्टी के बाद कोई पुलिसकर्मी या टीम नहीं आती है। पूर्व में जरूरत पड़ने पर पुलिस को कहा गया है लेकिन हाल में कोई टीम नहीं आती है।

यहां करें शिकायत

अगर को मनचला परेशान करता है तो छात्राएं 1090 या 112 पर कॉल करके पुलिस को बुला सकते हैं या नजदीकी चौकी व थाने पर जाकर शिकायत की जा सकती है।

एडिशनलर डीसीपी क्राइम ज्ञानेंद्र सिंह का कहना है कि हर थाने में एक एंटी रोमियो स्क्वाड टीम है। जिसमें दरोगा और महिला सिपाही समेत तीन पुलिसकर्मी रहते हैं। इन्हें क्षेत्र में स्कूल-कॉलेज, पार्क और बाजारों में सक्रिय रहने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ने पर टीम बढ़ाई जाएंगी।

न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

ऑटोमोबाइल विशेष

इनसाइड

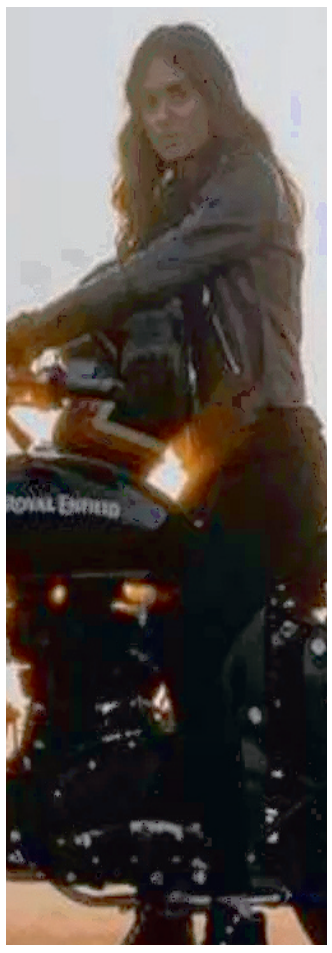

पहले से ज्यादा सेफ हो जाएगी आपकी बाइक ! इन हाईटेक तरीकों से सुरक्षित होगा सफर

अगर आप बाइक लवर हैं और चाहते हैं कि आप हमेशा सुरक्षित यात्रा करें तो ये खबर आपके लिए है। इस खबर के माध्यम से बताने जा रहे हैं उन पार्ट्स के बारे में जिनको लगवा कर आप अपनी बाइक को और भी एडवांस कर सकते हैं।

नई दिल्ली। टू-व्हीलर निर्माण करने वाली कंपनियां अपनी वाहनों के आधुनिकरण की ओर काफी ध्यान दे रही हैं, ताकि बाइक चलना अधिक सुरक्षित हो सके। मोटरसाइकिल में कई ऐसे एडवांस फीचर्स जुड़ रहे हैं, जिसके चलते आप कह सकते हैं कि टू-व्हीलर से लॉन्ग ड्राइव पर जाना सेफ है। आइये उन फीचर्स के बारे में आसान भाषा में समझते हैं।

एंटी ब्रेकिंग सिस्टम

वर्तमान में एंटी ब्रेकिंग सिस्टम हर एक बाइक के लिए अनिवार्य हो गया है। इसका काम अचानक ब्रेक मारते समय बाइक को फिसलने से रोकना है। मोटरसाइकिल में ब्रेकिंग सिस्टम होता है तो राइडर्स इमर्जेंसी के दौरान ब्रेक मारते समय निश्चिंत रहते हैं।

बाइक से लंबी राइड पर जा रहे हैं तो किन बातों का ध्यान रखें

बाइक से लंबी राइड पर जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखें, खासकर सर्दियों के मौसम में

एडॉप्टिव हेडलाइट

एडॉप्टिव हेडलाइट की रोशनी अच्छी होती है इसके साथ-साथ काफी सेफ भी होती है, क्योंकि कई बार आपने खुद महसूस किया होता कि सामने से आ रही वाहन की रोशनी आप पर पड़ती है तो कुछ सेकेंड के लिए आपको सामने की तरफ साफ दिखाई नहीं पड़ता है। इसके अलावा इस हेडलाइट से सामने की तरफ भी भरपूर दिखता है।

टायर मॉनिटरिंग सिस्टम

अमूमन कार में ये मॉनिटरिंग सिस्टम देखने को मिलता है। हालांकि, बाइक में ये फीचर्स लगते ही बाइक और भी अधिक सेफ हो जाती है। टायर मॉनिटरिंग सिस्टम का काम टायरों के व्यवहार की रियल टाइम इंफॉर्मेशन देना है। अगर आपके बाइक में हवा कम है या पंचर है तो सामने लगे डैशबोर्ड आपको लाल बत्ती जलते हुए दिखेगी।

एयरबैग क्लाथिंग

एयरबैग क्लाथिंग एक विशेष रूप की ड्रेस होती है, जिसे अधिकतर लॉन्ग ड्राइव पर जा रहे राइडर्स या फिर रेसिंग ट्रैक पर रेस करने वाले राइडर्स इस्तेमाल करते हैं। इस कपड़े को खासतौर से तैयार किया जाता है, जिसके अंदर एयबैग लगा हुआ रहता है, किसी भी एक्सिडेंट के दौरान फौरन एयरबैग खुल जाता है और राइडर को कम चोट पहुंचती है। इसके अलावा बाइकर्स के लिए राइडिंग गियर आता है, जिसमें जैकेट के अंदर मजूबत वेस्ट्स, लेग गार्ड, बैकगार्ड, हैंडगार्ड आदि लगा हुआ होता है।

पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों की चिंता करें खत्म! घर ले आएं ये हाइब्रिड कारें

भारतीय बाजार में पेट्रोल डीजल की कीमतें आसमान छू रही है।आजकल लोगों के पास पेट्रोल डीजल के आलावा इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड एक अच्छा ऑप्सन बनकर उभर रहा है। आप अपने लिए हाइब्रिड कार लेने की सोच रहे हैं तो आज हम आपके लिए इन गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

भारतीय बाजार में पेट्रोल डीजल की कीमतें आसमान छू रही है।आजकल लोगों के पास पेट्रोल डीजल के आलावा इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड एक अच्छा ऑप्सन बनकर उभर रहा है। आप अपने लिए हाइब्रिड कार लेने की सोच रहे हैं तो आज हम आपके लिए इन गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत के कारण लोगों के जेब पर खास असर पड़ रहा है। जिसके कारण लोगों को जेब पर अच्छा खासा असर पड़ता है। इसके कारण लोग इलेक्ट्रिक वाहन या हाइब्रिड गाड़ियों को अपनी पसंद की लिस्ट में लेकर आ रहे है।

Toyota Urban Cruiser Hyryder

कंपनी ने इस कार को कुल दो वेरिएंट में पेश किया है। जिसमे से एक 1.5L माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन और एक 1.5L मजबूत हाइब्रिड पेट्रोल इंजन शामिल है। आपको बता दे मजबूत हाइब्रिड इंजन 115 bhp की पावर जनरेट करता है। इसका पीक टॉक आउटपुट 141 nm का है। वहीं इसका इंजन एक e-drive ट्रांसमिशन से लैस है। इसके दोनों मोटर मिलाकर 85 किलोवाट का आउटपुट जनरेट करता है। इसकी शुरुआती कीमत 15.11 लाख से 18.99 लाख रुपये तक है।

Maruti Suzuki Grand Vitara

ये टोयोटा अर्बन कूजर के तरह ही है। इसमें भी आपको दो पेट्रोल इंजन का ऑप्शन मिलता है। जिसमें एख माइल्ड हाइब्रिड यूनिट और दूसरी 1.5L मजबूत हाइब्रिड है। कंपनी दावा करती है कि ये कार माइलेज 27.97 kmpl का देती है। लोग इस कार को जमकर खरीद रहे है। इसके टॉप स्पेक मॉडल की कीमत 19.65 लाख रुपये तक जाती है।

Honda City Hybrid e:HEV

कंपनी ये दावा करती हैं कि ये कार माइलेज 26.5 kmpl का देती है। वहीं इसमें 1.5 लीटर का हाइब्रिड पावरट्रेन है जो 126 पीएस की पावर और 253 nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ ही कंपनी ने इस कार में एक eCVT गियरबॉक्स दिया है। इसकी कीमत 19.49 लाख रुपये है।

बाइक से लंबी राइड पर जा रहे हैं तो इन बातों का ध्यान रखें, खासकर सर्दियों के मौसम में

हल्की ठंड अब दस्तक दे चुकी है। इस समय अगर आप अपनी बाइक से लंबी राइड पर जा रहे हैं तो आपको कई बातों का ख्याल रखना चाहिए ताकि आपकी बीच रास्ते में किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े।

नई दिल्ली। अब हल्की थंड ने दस्तक दे दिया है। ऐसे में अगर आप बाइक चलाने के शौकीन हैं तो आपको ठंड में कुछ खास बातों का ख्याल रखना चाहिए ताकि आपको किसी भी परेशानी का सामना ना करना पड़े। सर्दियों में खराब मौसम की वजह से राइडिग में कई दिक्कतें आ सकती है। इससे दुर्घटना होवे की संभावना भी अधिक बढ़ जाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिसे जानकर आप ठंड में राइड का मजा ले सकते हैं।

थर्मल गारमेंट्स

जब ठड़ी आप बाइक से राइड करने निकले तो ठंड के मौसम में आपके पास थर्मल गारमेंट्स यानि ऐसे कपड़े जो आपके शरीर के हिस्सों में हवा ना जाने दे और आपको थंडी हवा से बचा कर रखें। इस समय पर आप अपनी बाइक की स्पीड का भी खास ख्याल रखें, बाइक तेज स्पीड में होती हैं तो आपको ठंड लग सकती है। इसलिए हमेशा स्पीड का ख्याल जरूर रखें।

क्या आपकी बाइक भी है इन सेफ्टी फीचर्स से लैस

पहले से ज्यादा सेफ हो जाएगी आपकी बाइक ! इन हाईटेक तरीकों से सुरक्षित होगा सफर

गर्म चीजें अपने साथ रखें

अगर आप ठंड में बाइक चलाना पसंद करते हैं तो आपको कई बातो का ख्याल रखना चाहिए अगर आप अधिक दूरी के लिए जा रहे हैं तो बीच -बीच में बाइक रोक कर कुछ गर्म चीज खा पी ले ताकि आपकी बाड़ी को हीट मिलती रही और आप आराम से लंबे दबरी का सफर तय कर ले।

इंडिकेटर, हेडलाइट पहले से रखें ठीक

संबे राइड पर जाने से पहले बाइक का इंडिकेटर, हेडलाइट और बैक लाइट को चेक कर लेना चाहिए ताकि आप पहले से ही बाइक को दुरुस्त कर ले। सर्दियों में ये सब चीजें सामने देखने में काफी मदद करती है। इससे आप होने वाले एक्सीडेंट से बच सकते है।

बाइक की बैटरी और इंजन का रखें ख्याल

सर्दी के मौसम में बाइक के बैटरी पर भी खास असर देखने को मिलता है। इसलिए समय के साथ साथ बैटरी का भी ख्याल रखना चाहिए । इसके साथ ही इंजन की भी देखरेख आपको करते रहना चाहिए क्योंकि बिना इंजन बाइक अधूरी है।

भारतीय बाजार में मौजूद हैं ये धांसू सीएनजी गाड़ियां

भारतीय बाजार में पेट्रोल डीजल की कीमत काफी तेजी से बढ़ते जा रही है।आज के समय में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन एक बेहतर विकल्प बनते जा रहे हैं।आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम सीएनजी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में आज के समय में एक से बढ़कर एक सीएनजी गाड़ियां मौजूद है। जिससे आपके पास एक बेहतर ऑप्शन है। वहीं पेट्रोल डीजल की कीमत बढ़ने के कारण लोगों के लिए सीएनजी आज एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रहा है।आज हम आपके लिए सीएनजी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए है।

Maruti Suzuki Alto S-CNG

मारुति सुजुकी ऑल्टो 800 एस - सीएनजी भारतीय बाजार में सबसे सस्ती कार है। वर्तमान में इस कार में कंपनी फिटेड सीएनजी किट के साथ आ रही है।आपको बता दे आल्टो एलएक्सआई (ओ) वेरिएंट के साथ पेश की गई है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 5.03 लाख रुपये है। ये 796 सीसी पेट्रोल इंजन सीएनजी मोड में 40 एचपी और एनएम का पीक टॉर्क बनाती है। इसे 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ -जोड़ा गया है।

Maruti Suzuki S-Presso S-CNG

भारतीय बाजार में मारुति एस -प्रेसो के दो वेरिएंट - एलएक्सआई और वीएक्सआई के साथ ऑप्शनल सीएनजी किट प्रदान करती है। इसकी कीमत 5.90 लाख रुपये और 6.10 लाख रुपये है। इसमें सीएनजी किट के साथ 1.0लीटर तीन सिलेंडर इंजन मिलता है। जो 56 हॉर्स पावर और 8.21 एनएम टॉर्क जनरेट करती है।

Tata Tiago iCNG

टाटा मोटर्स ने जनवरी 2022 में टियागो और टिगोर सब 4 मीटर आईसीएनजी वेरिएंट को पेश किया है। इसके लिए आपको 6.30 लाख रुपये देने होगे। कंपनी ने टाटा टियागो सीएनजी को कुल चार वेरिएंट्स - XE, XM, XT, और XZ है। सीएनजी स्पेक में 1.2 लीटर तीन सिलेंडर रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन 73 एचपी और 95 एनएम जनरेट करती है। ये 5 एमटी के साथ आती है।

क्या नई सरकार खेल विभाग की सुध

भूपिंद्र सिंह

राज्य के युवा सेवाएं एवं खेल विभाग में प्रशिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए इनके भर्ती व पदोन्नति नियमों में संख्या अनुपात में संशोधन करना बहुत जरूरी है

पिछली सरकार के पूरे कार्यकाल में सुनते रहे कि सरकार नयी खेल नीति बना कर हिमाचल प्रदेश की खेलों को बहुत ऊंचाई देगी, मगर पांच साल में केवल खेल नीति ही कागजों तक आई। दशकों से हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों से अन्याय हो रहा है। कहा गया कि प्रशिक्षक कैडर के भर्ती व पदोन्नति नियमों में सुधार कर लिया है मगर अभी तक जूनियर प्रशिक्षक का स्केल और काम जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी का लिया जा रहा है। इस विषय पर इस कालम के माध्यम से बार बार सरकार को चेताया कि राज्य में प्रशिक्षकों का स्तर ऊंचा किये बिना खेलों में उत्कृष्टता हासिल नहीं की जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ी करोड़ों लोगों में स्वयं व अपने देश को पदक जीत कर सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करता है तो उसके पीछे जहाँ उस दृढ़ संकल्प, लगातार कठोर परिश्रम व अपनों की सहायता व दुआएं होती हैं, वहीं पर एक प्रशिक्षक की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। इसीलिए अलग से राज्यों में खेल विभागों का गठन हुआ है। 1982 के एशियाड के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार ने भी प्रदेश में हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग का गठन किया। विभाग के गठन के चार दशक बाद भी अभी तक हिमाचल प्रदेश में प्रशिक्षकों के भर्ती व पदोन्नति नियमों को अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका है। हिमाचल प्रदेश के इस विभाग में निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारियों, प्रशिक्षकों, कनिष्ठ प्रशिक्षकों व युवा संयोजकों के पद सृजित हैं। इस विभाग का कार्य प्रदेश में युवा गतिविधियों व खेलों का विकास करना है। हिमाचल प्रदेश में यह विभाग खेल प्रशिक्षण, खेलों के लिए आधारभूत ढांचा व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता होने पर नगद पुरस्कार व अवार्ड देने के लिए बनाया गया है।

हिमाचल प्रदेश के इस विभाग का निदेशक प्रशासनिक सेवा से ही अधिकतर नियुक्त होता रहा है, केवल विशेष परिस्थितियों में ही आज तक दो बार ही विभागीय अधिकारी निदेशक पद तक पहुंच पाये हैं। उपनिदेशक और कभी कभी संयुक्त निदेशक पद तक विभाग के प्रशिक्षक व युवा संयोजक पदोन्नत होकर पहुंच जाते हैं। इन विभागीय अधिकारियों को अधिक तकनीकी जानकारी होती है। आजकल हिमाचल प्रदेश युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के पास कोई भी उपनिदेशक नहीं है। वरिष्ठ जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी को उपनिदेशक के पद पर बिठा कर काम चलाया जा रहा है। नियमित जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी भी केवल चार ही जिलों में थे। अभी कुछ नियुक्तियां हुई हैं। राज्य के शेष जिलों में कामचलाऊ अधिकारी बिठा रखे हैं। सरकार को चाहिए कि जल्दी ही उपनिदेशक के पद पर नियमित पदोन्नति की जाए तथा जिलों में भी नियमित अधिकारी हों। इस समय जो प्रशिक्षक जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी के पद पर तदर्थ कार्य कर रहे हैं उन्हें एकमुश्त नियमों में छूट देकर नियमित अधिकारी बना दिया जाए। इस विषय पर पहले भी इस कालम के माध्यम से लिखा जा चुका है मगर लगता है कि सरकार के लिए युवा शक्ति व खेल प्राथमिकता पर नहीं हैं। विभाग में नाम मात्र के प्रशिक्षक हैं। अधिकतर खेलों में तो एक भी प्रशिक्षक पूरे जिले के लिए उपलब्ध नहीं है। विभाग में जो प्रशिक्षक नियुक्त हैं उन्हें कनिष्ठ प्रशिक्षक के पद पर नियुक्ति मिली है। उसके बाद वे सेवानिवृत्ति तक भी प्रशिक्षक नहीं बन पाये हैं। विभाग में नियुक्त प्रशिक्षकों को जिला युवा सेवाएं एवं खेल अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए केवल 25 प्रतिशत ही कोटा है। 50 प्रतिशत युवा संयोजक व 25 प्रतिशत पद हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाते हैं। प्रशिक्षक बनने की योग्यता बहुत कठिन है। स्नातक डिग्री के साथ जो प्रतिभागी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हो या तीन बार वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया हुआ हो या शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के साथ अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में खेला हो, उसके बाद राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान में प्रवेश परीक्षा पास कर एक वर्ष के कठिन प्रशिक्षण व शिक्षण के बाद प्रशिक्षक बनता है। सेवा नियमों में एक समय एमपीएड के साथ कंडैंस कोर्स जो छह माह का होता था, उसे पास किया हुआ प्रशिक्षक के पद के लिए योग्य था, मगर अब ऐसा कोई नियम नहीं है। हिमाचल प्रदेश सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश में नियुक्त कनिष्ठ प्रशिक्षकों को पांच साल के बाद प्रशिक्षक के पद पर पदोन्नत कर 50 प्रतिशत कोटा जिला अधिकारी पद पर पदोन्नति के लिए दिया जाए, क्योंकि प्रशिक्षकों की संख्या बहुत अधिक है। अगर हर खेल में जिला स्तर पर पांच प्रशिक्षक भी हों तो प्रशिक्षकों की संख्या सौ से भी अधिक जा सकती है। इसके मुकाबले बारह जिलों में बारह ही युवा संयोजक नियुक्त हैं। इस तरह देखा जाए तो यह प्रशिक्षकों के साथ बहुत अन्याय है।

प्रदेश में विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तो बन कर तैयार हैं मगर उनका न तो सही रखरखाव है और न ही उन पर उस स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम हो रहा है। सरकार को चाहिए कि वहां पर उन खेलों में उच्च प्रदर्शन करवाने वाली खेल अकादमियां स्थापित की जाएं। हिमाचल प्रदेश में युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के दो खेल छात्रावास बिलासपुर व ऊना में कुछ चुनिंदा खेलों के लिए कामचलाऊ प्रशिक्षण प्रबंध तो है, मगर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों की कमी व प्रबंधन में अव्यवस्था साफ देखी जा सकती है। उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षक बहुत कम हैं क्योंकि विभाग में प्रशिक्षकों की अनदेखी जिसमें बहुत कम ग्रेड पे व दशकों से कनिष्ठ पद पद पर कार्यरत रहने के कारण राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षित प्रशिक्षक खेल विभाग में प्रशिक्षक बनने से अधिक शिक्षा विभाग में प्राध्यापक या डीपीई बनने को अधिमान देते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए प्रशिक्षकों व खिलाडियों के लिए एक अच्छी प्रबंधन टीम की अहम भूमिका है। सही प्रबंधन मिले, इसके लिए नियमित जिला खेल अधिकारियों, उपनिदेशकों, प्रशिक्षकों, अन्य अधिकारियों की नियुक्ति बेहद जरूरी है। खिलाड़ी को तैयार करने में प्रशिक्षक की भूमिका जब बेहद जरूरी है तो फिर हम उसे सामाजिक व आर्थिक रूप से निश्चिंत कर शारीरिक व मानसिक पूरी तरह अपने प्रशिक्षण पर केन्द्रित क्यों नहीं होने देते। इसलिए राज्य के युवा सेवाएं एवं खेल विभाग में प्रशिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए इनके भर्ती व पदोन्नति नियमों में संख्या अनुपात में संशोधन करना बहुत जरूरी है। अब नई बनी सरकार को चाहिए कि प्रशिक्षक कैडर को जल्दी न्याय दे।

संपादक की कलम से

यात्राएं कोरोना की वाहक

हम मान लेते हैं कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' से मोदी सरकार बौखला उठी है। भाजपा और सरकार घबरा गई हैं। वे डर रही हैं, लिहाजा उनकी नींद उड़ चुकी है। भाजपावाले कंपकंपा रहे हैं और कांग्रेस के खिलाफ षड्यंत्र भी रच सकते हैं। दरअसल ऐसी टिप्पणियां कांग्रेस नेता करते रहे हैं। उनके दावे हैं कि देश में आम आदमी, दलित, पिछड़ा, आदिवासी और ग़रीब लाखों की संख्या में कांग्रेस की यात्रा के साथ जुड़ रहे हैं। ऐसे दावे राजनीति में सामान्य हैं, क्योंकि कोई भी हारता पक्ष, अंततः, अपनी पराजय स्वीकार नहीं करता, लेकिन यह बिल्कुल अलग दौर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने स्वीकार किया है कि देश में कोरोना वायरस खत्म नहीं हुआ है। कोरोना वायरस हमारी दहलीज़ पर भी मौजूद है, क्योंकि चीन में कोरोना से हाहाकार मचा है। ओमिक्रॉन के सब वेरिएंट बीएफ-7 के चार संक्रमित मरीज गुजरात और ओडिशा में पाए गए हैं। वडोदरा में एक एनआरआई महिला में संक्रमण की पुष्टि भी हो चुकी है। संभव है कि सभी संक्रमण सामान्य हों और मरीज जल्द ही स्वस्थ हो जाएं! इसी दौर में एक मुख्यमंत्री कोरोना संक्रमित पाए गए, जिन्हें क्वारंटीन में जाना पड़ा। संक्रमण की जांच से पहले उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत कई कांग्रेसियों से मुलाकात की थी। हालांकि किसी और नेता के संक्रमित होने की कोई ख़बर नहीं है। मुख्यमंत्री ने एबीपी न्यूज चैनल पर भी इंटरव्यू दिया था, जिसमें कई पत्रकारों ने हिस्सा लिया था। हमारी प्रार्थना है कि सभी कुशल रहें, लेकिन सतर्कता, निगरानी, परहेज, जांच की सलाह देशहित में है। यदि विशेषज्ञों के साथ बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने राहुल गांधी को पत्र लिखा कि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें या कुछ समय के लिए 'भारत जोड़ो यात्रा' को स्थगित कर दें, तो यह अनुरोध भी देशहित में था। किसी के अहंकार अथवा राजनीतिक लामबंदी को चुनौती नहीं दी गई।

यात्रा में एक बड़ी भीड़ सामूहिक तौर पर जुड़ती रही है, राहुल गांधी लोगों से आलिंगनबद्ध भी होते रहे हैं, हाथ भी मिलाते रहे हैं और भीड़ के साथ यात्रा भी जारी रखे हैं। केंद्रीय मंत्री का संवैधानिक दायित्व है कि देश में महामारी का संक्रमण नए सिरे से न फैले, लिहाजा उन्होंने राहुल को पत्र लिखा। इसे अन्यथा नहीं लेना चाहिए। दरअसल ऐसे ही पत्र प्रशांत किशोर, राजस्थान में 'जन आक्रोश यात्रा', कर्नाटक में 'जन संकल्प यात्रा' आदि के नेताओं और आयोजकों को लिखे जाने चाहिए थे। इन यात्राओं में भी एक बड़ी भीड़ एक-दूसरे से सटकर चल रही है। संक्रमण कैसे फैलता है? जिस तरह का परामर्श राज्य सरकारों और संघशासित क्षेत्रों को भेजा गया है, वैसे ही निर्देश हवाई अड्डों, बस स्टैंड और बड़ी-घनी मंडियों को भी भेजे जाने चाहिए थे। शायद यह प्रक्रिया शुरू होने को है! हालांकि भारत में कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति 'समतल' (फ्लैट) है, लेकिन इतना तय है कि ऐसी सामूहिक यात्राएं ही संक्रमण की वाहक साबित होती हैं। यदि इन यात्राओं में ही लोगों के सैंपल लिए जाएं, तो संक्रमण का प्राप्त आंकड़ा चौंका भी सकता है। हालांकि कोरोना के भारतीय राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह ने आश्वस्त किया है कि टीकाकरण और प्राकृतिक संक्रमण के बाद देश की 90 फीसदी से ज्यादा आबादी में हाईब्रिड इम्युनिटी है, लिहाजा भारत अपेक्षाकृत सुरक्षित है। फिर भी हमें विशेषज्ञों के परामर्श को मानना है, क्योंकि वैसा करके हम कोरोना की भयावह तीन लहरों को झेल कर, उन्हें पराजित कर चुके हैं।

24 दिसंबर का इतिहास

1294 बोनिफेस VIII ने सेंट सेलेस्टाइन V की जगह, अपनी पापुलेशन शुरू की, जिसके बाद उन्होंने घोषणा की कि यह एक पोप के इस्तीफे के लिए अनुमति थी, और फिर तुरंत ऐसा किया।

1524 पुर्तगाली नाविक और खोजकर्ता वास्को डि गामा का कोच्चि में निधन हुआ।

1715 स्वीडन की सेना ने नार्वे पर कब्जा किया।

1726 मोंटेवीडियो शहर की स्थापना स्पेनियों द्वारा की गयी।

1777 कैप्टन जेम्स कुक ने किरिटीमाटी (क्रिसमस द्वीप) की खोज की।

1777 अंग्रेजी खोजकर्ता जेम्स कुक के नेतृत्व में एक अभियान क्रिसमस द्वीप तक पहुंच गया, जो दुनिया में सबसे बड़ा प्रवाल एटोल है।

1798 रूस और ब्रिटेन द्वितीय विरोधी फ्रांसीसी गठबंधन पर हस्ताक्षर किये गए।

1818 जोसेफमोहर और फ्रांज ग्रुबर की क्रिसमस कैरोल की मूक नाइट (ऑडियो विशेषताओं) को पहली बार ऑस्ट्रिया के एक चर्च में प्रदर्शित किया गया था।

1865 अमेरिकी गृहयुद्ध के छह कंफेडरेट दिग्गजों ने कू क्लक्स क्लान की स्थापना की, जो बाद में एक सफेद वर्चस्ववादी समूह बन जाएगा।

1906 Reginald A Fessenden रेडियो (मास) पर संगीत प्रसारित करने वाला 1 बन गया।

1913 अमेरिका के मिशिगन के कैलमेट में एक भीड़ भरी क्रिसमस पार्टी में भगदड़ मचाने के बाद भगदड़ मचने से सत्तर लोगों की मौत हो गई।

1914 ब्रिटिश और जर्मन सैनिकों ने क्रिसमस मनाने के लिए प्रथम विश्व युद्ध को बाधित किया, जिससे क्रिसमस की शुरुआत हुई।

1924 लंदन के क्रॉयडन एयर फील्ड में एक विमान दुर्घटना में 8 लोग मारे गए।

1936 पहली बार जॉन लॉरेन्स ने रेडियोएक्टिव आईसोटोप दवाई का प्रयोग मरीज पर किया।

1953 न्यूजीलैंड के नॉर्थ आइलैंड पर, तांगिवई में, एक रेलवे पुल एक लहार से क्षतिग्रस्त हो गया और एक यात्री ट्रेन के नीचे गिर गया, जिसमें 151 लोग मारे गए।

1954 लाओस को फ्रांस ने आजाद किया।

1955 NORAD Tracks सांता प्रोग्राम तब शुरू हुआ जब बच्चों ने कॉन्टिनेंटल एयर डिफेंस कमांड सेंटर को फोन करना शुरू किया, ताकि एक गलत छपे फोन नंबर के कारण सांता क्लॉज़ के ठिकाने के बारे में पूछताछ की जा सके।

1964 साइगॉन में ब्रिन्ड्स होटल में बमबारी हुई।

1966 जॉयफुल शोर 12 प्रदर्शनों के बाद मार्क हेलिंगर थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में बंद हो गया।

1968 नासा अपोलो 8 मिशन के अंतरिक्ष यात्री विलियम एंडर्स, चंद्रमा की परिक्रमा करने के लिए पहली बार यात्रा की, ने प्रसिद्ध तस्वीर 'अर्थराइज' (चित्र) ली, जिसमें पृथ्वी को चंद्र सतह से ऊपर उठते दिखाया गया।

थूक कर चाटिए

बचपन से ही मेरी चरित्रवान बनने की इच्छा थी। पिताजी ने मुझे शाखा में भी भेजा तथा स्वयं ने भी संस्कारों की सीख दी, उसका प्रभाव यह हुआ कि मैं लगभग चरित्रवान-सा बन गया था यानि मुझे मूल्यों से हटाना सरल नहीं था। मैं सिद्धान्तों पर अडिग रहता था। कई बार तो मेरी जिद के सामने बाद में पिताजी तक को दिक्कत होने लगी। उन्हें गुस्सा आता कि उन्होंने मुझे इतना जबरदस्त चरित्रवान क्यों बना दिया। वे कहते कि बेटा! थोड़ा व्यावहारिक बनने की भी आवश्यकता है, अन्यथा तुम्हें जीवन में भूखों मरने की नौबत आ सकती है। मैं कहता कि तो क्या हुआ, मूल्यों की रक्षा के लिए भूखों मर जाना भी श्रेष्ठ मानता हूँ। उन दिनों देश में भ्रष्टाचार का शुभारंभ हो चुका था। हर राजनेता भ्रष्टाचार से सम्पत्ति अर्जित कर धनाढ्य बनने की होड़ में लगा था। पिताजी ने मुझे अपने कमरे में बुलाया और कहा-'बेटा! देख रहे हो देश की हालत क्या हो रही है? लोग इसे अपने चारों हाथ-पाँवों से लूट रहे हैं। मुझे एक पल गौर से देखो और अपने जीवन का रास्ता चुन लो।' मैंने पिताजी को देखा-फटी धोती, तार-तार कुर्ता, टूटी चप्पलें तथा मोटे फ्रेम के चश्मे में वे भारतीय गरीब का पर्याय थे। मुझे लगा क्या ये इसी विपन्नता में मर जायेंगे। तभी चरित्र ने जोर मारा-जीवन में अपने सद्चरित्र से ही आदमी को अपनी जीविका चलानी चाहिए। जब पिताजी ने इस मूल्य को नहीं त्यागा तो मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। तभी मन का विरोधी बोला-'भूखों मर जाओगे, भाई-बहिनों की पढ़ाई-लिखाई, शादी ब्याह कुछ भी नहीं हो पायेगा।

जिन्दगी की रेस में बढना है तो भ्रष्टाचार में लग जाओ।' तभी पिताजी बोले-'बेटा! तुम्हारे भीतर जो द्वंद्व चल रहा है उसे मैं समझता हूँ, लेकिन प्रैक्टिकल हुए बिना जीवन नैया पार नहीं लगेगी। मैं चरित्र की अपनी सारी शिक्षायें विड्रा करता हूँ। हो सके तो इस घर को भुखमरी से निकाल लो।' मेरी आँखें आश्चर्य से खुली रह गईं, उनके मुख से यह बात सुनकर। उनकी आँखों में आंसू भरे थे। उनकी चाह को मैं भली प्रकार से समझ सकता था। मैं बोला-'यह आप क्या कह रहे हैं पिताजी। चरित्र और सिद्धान्त मेरी रग-रग में समा चुका है। अब इसे आसानी से विड्रा नहीं किया जा सकता। जब पेट ईमानदारी से भर सकता है तो बईमानी की क्या आवश्यकता है?' 'बेटा! अकेले पेट का सवाल नहीं है, अब जरूरतें इतनी बढ़ गयी हैं कि उसके अनुसार तुम नहीं बन पाये तो मुझे दुःख होगा। हालांकि गलती मेरी ही है। लेकिन बेटा पहले का जमाना वही था। नये जमाने को और नये मूल्यों को समझने की आवश्यकता है। मैं नहीं चाहता कि तुम भी मेरी ही तरह घुट-घुट कर मरो। चरित्र समय की आवश्यकता नहीं है।' 'मैं आपका आशय समझ नहीं पा रहा?' 'अभी समझाता हूँ बेटा। देखो चुनाव नजदीक है-मैं चाहता हूँ कि तुम राजनीति में चले जाओ। इसमें तुम जल्दी ही प्रेक्टिकल बन जाओगे। सारे चरित्र पर पानी फिर जायेगा। मेरी आत्मा को शांति मिलेगी तथा तुम अच्छा कमा-खा लोगे। राजनीति में जमने के लिए चरित्र को त्यागना पड़ता है तथा थूककर चाटना पड़ता है।' इतना कहकर वे चले गये और मैं ठंडा पड़ गया। काटो तो खून नहीं। निश्चित नहीं कर पा रहा था कि राजनीति में जाऊँ या नहीं। क्योंकि चरित्र, संकट बन चुका था।

कैसे बदलें भारत?

पीके खुराना

इसके विपरीत प्रपोर्शनल रिप्रेज़ेंटेशन यानी आनुपातिक प्रतिनिधित्व में विभिन्न दलों को उनके वोट प्रतिशत के हिसाब से सीटें दी जाती हैं और उनकी सूची के वरीयता क्रम के अनुसार उम्मीदवारों को सदन में जगह मिलती है। यानी अगर सदन में कुल 100 सीटें हों और किसी एक दल को सारे प्रदेश में 34 प्रतिशत मत मिलें तो विधानसभा में उसके 34 सदस्य होंगे। यही नियम चुनाव लड़ रहे सभी दलों पर लागू होगा। इससे चुनाव में होने वाले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। आज हमें यह सोचना है कि हम भारत को कैसे बदलें, कैसे इसे मजबूत बनाएं और प्रगति के पथ पर ले जाएं। ये कुछ कदम, जिनका मैंने ज़िक्र किया है, देश को एक नई दिशा दे सकते हैं'

मैं कई बार सोचता हूं कि यदि मैं सत्ता में होता तो मैं क्या करता? इसका उत्तर यह है कि मैं स्थानीय संस्थाओं को मजबूत करता, उन्हें पूर्ण स्वायत्तता देता ताकि वे अपने क्षेत्र की भलाई के लिए निर्णायक ढंग से काम कर सकें। दरअसल, मैं अमरीकी प्रशासनिक प्रणाली को लागू करने की वकालत करता हूं। अमरीकी प्रशासनिक प्रणाली में देश का मुखिया राष्ट्रपति होता है, वह सारे देश का प्रतिनिधि होता है और सारे देश की जनता उसे चुनती है। अमरीकी राष्ट्रपति का कार्यकाल चार साल का होता है और अमरीकी संसद उसे हटा नहीं सकती। राष्ट्रपति का आचरण यदि आपत्तिजनक हो तो उसे महाभियोग द्वारा हटाया जा सकता है, अन्यथा वह अपना कार्यकाल पूरा करता है। अमरीकी राष्ट्रपति के मंत्रिमंडल के सहयोगी किसी सदन के सदस्य नहीं होते, अतः राष्ट्रपति को यह सुविधा होती है कि वह विषय के विशेषज्ञों को चुन सके। अमरीकी राष्ट्रपति देश का मुखिया तो होता है लेकिन कानून बनाने में उसकी कोई भूमिका नहीं होती, कानून सिर्फ संसद बनाती है। राष्ट्रपति, संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करता है और उनके अनुसार शासन-प्रशासन चलाता है। राष्ट्रपति का कार्यकाल निश्चित होता है, अतः वह अपनी नीतियों को लागू करने के लिए स्वतंत्र है और उसके लिए उसके पास पर्याप्त समय होता है, अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के रूप में वह राजनीतिज्ञों के बजाय विशेषज्ञों को चुन सकता है।

वह कानून नहीं बनाता लेकिन किसी कानून को वीटो कर सकता है। संसद सिर्फ महाभियोग द्वारा राष्ट्रपति को हटा सकती है, अतः राष्ट्रपति को कुर्सी जाने का खतरा नहीं होता। अमरीकी संसद सिर्फ विधायी काम करती है, यानी वह सिर्फ कानून बनाती है, उन्हें लागू नहीं करती। शासन के कामों में अमरीकी संसद का कोई दखल नहीं होता। गवर्नेंस राष्ट्रपति और उनके मंत्रिमंडल का काम है। राष्ट्रपति अपने हर निर्णय की मंजूरी संसद से लेता है, परिणामस्वरूप राष्ट्रपति शक्तिशाली होते हुए भी निरंकुश नहीं हो सकता। हम यदि पंचायतों और नगर निगमों का गठन अमरीकी प्रणाली के अनुसार करना चाहें तो उसकी राह में कोई अड़चन नहीं है, सिर्फ एक कानून बनाकर ऐसा करना संभव है। इससे मेयर और पार्षदों के अधिकारों और कत्र्तव्यों को परिभाषित करना आसान होगा। अभी हमारे देश में पार्षदों, विधायकों और सांसदों की भूमिका गड्डमड है। यही नहीं, उनके ऊपर बहुत से सरकारी अधिकारी हैं। चुने हुए जनप्रतिनिधियों के पास कोई वास्तविक शक्ति नहीं है और नौकरशाही मनमानी के लिए स्वतंत्र है। इससे अकुशलता आती है और भ्रष्टाचार बढ़ता है। यदि मैं सत्ता में होता तो मैं पंचायतों और नगर निगमों को पूर्ण स्वायत्तता देता, सरपंच और मेयर का चुनाव सीधे जनता द्वारा करवाता, उन पर से सरकारी अधिकारियों का नियंत्रण समाप्त करवाता और सरकार के हर काम में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करता ताकि तंत्र, लोक के लिए हो, वह लोक पर हावी न हो। हमें अपने रोज़मर्रा के कामों के लिए मुख्यमंत्री अथवा प्रधानमंत्री से मिलने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि रोज़मर्रा के कामों के लिए हमारा वास्ता स्थानीय प्रशासन से पड़ता है। हम किसी पटवारी, किसी तहसीलदार, किसी बीडीओ, किसी एसडीएम के दफ्तर के चक्कर काटते रह जाते हैं।

सरकार ऐसा भी कर सकती

हिमाचल में राजनीतिक दर्शक दीर्घा के सामने सुक्खू सरकार अपने कड़े फैसलों का जोरदार प्रदर्शन करते हुए और कितना आगे निकलेगी, ये कयास मात्र नहीं, बल्कि एक अनूठी पड़ताल है। लगातार दफ्तरों की सांकल बंद करती मौजूदा सरकार ने यह ध्येय बना लिया है कि पिछली सरकार के अंतिम स्पर्श के तमाम निशान मिटा दिए जाएं। स्वास्थ्य के 180, राजस्व के 72 और पीडब्ल्यूडी के 16 कार्यालय बंद कर देने के मायने, राजनीतिक बहस के ढक्कन खोल रहे हैं। भाजपा के लिए इन फैसलों का पीछा करना स्वाभाविक है और इसका असर देखा जा सकता है। सुक्खू सरकार ने खुद को साबित करने के लिए अगर डिनोटिफिकेशन का फैसला लिया है, तो इसके एक ऐसा मानचित्र विकसित हो रहा है, जहां जनता के सामने कुछ न कुछ खोने का सबब पैदा होगा और भाजपा के लिए इन फैसलों का मुद्दा बनाने का ढोल बोल रहा होगा। बावजूद इसके समय की मांग और हकीकत के मार्ग पर एक दिन तो यह सोचना ही पड़ेगा कि अदने से हिमाचल के लिए कितने दफ्तर, कितने स्कूल-कालेज और कितने चिकित्सा संस्थान चाहिएं। घोषणाएं राजनीतिक भेड़-बकरियां बन जाएं, तो इन काफिलों का कभी अंत नहीं होगा। मजबूरियां बचत और बजट की हो सकती हैं या पिछली सरकार के अंतिम करतब पर बटोरी गई तालियों पर अंकुश लगाने का इससे बड़ा और अवसर क्या होगा, लेकिन अपने नक्शे बदलती सरकार को बताना ही पड़ेगा कि उसका प्रशासनिक व शासनिक मॉडल होगा क्या। बहरहाल यह तो मान सकते हैं कि सरकारें अपने अंतिम दौर में गुंजाइश से अधिक, फरमाइश पर गौर फरमाते हुए सत्ता की सलतनत को परवान चढ़ाते हुए, अंधाधुंध विस्तार करती हैं। सुक्खू सरकार ने सभी विभागों की कांट छांट करते हुए प्रदेश को नई सुर्खियां जरूर प्रदान की हैं। लोग सोच सकते हैं कि सरकारें ऐसा भी कर सकती हैं और ऐसा करने की बाध्यता को समझ सकते हैं, बशर्ते सरकार उन्हें यह समझाने के लिए रोडमैप सामने रखे। सरकार को अपने मायने साबित करने की जरूरत इसलिए भी दिखाई दे रही है, क्योंकि हिमाचल ने अभी तक पूरे मंत्रिमंडल की झलक नहीं देखी है। सरकार का एक सशक्त पक्ष मुख्यमंत्री व डिप्टी सीएम के रूप में सामने आ रहा है, लेकिन सामूहिक जिम्मेदारी में तमाम मंत्रियों के चेहरे सामने आने चाहिएं। प्रदेश में जो हो रहा है, वह एक तरह से सत्ता का हुकम है, लेकिन लोकतांत्रिक परंपराएं सरकार की जवाबदेही में मंत्रिमंडल देखना चाहती हैं। जाहिर है जब कोई स्वतंत्र रूप से स्वास्थ्य, राजस्व व लोक निर्माण मंत्री होगा, तो कार्यालयों के बंद दरवाजों के आगे सरकार के फैसलों का औचित्य भी बताएगा। भले ही सरकार की विवशता रही हो, लेकिन जहां प्रश्न उठेंगे वहां कुछ तो बताना ही पड़ेगा। सरकार की संरचना में एकाधिकार कुछ समय के लिए वरदान सिद्ध हो भी जाए, लेकिन इसकी अहमियत में सामूहिक जिम्मेदारी का एहसास आवश्यक हो जाता है। विभागों की कतरब्यौंत ने मंत्रियों की सुध लेनी शुरू कर दी है, नतीजतन जिज्ञासा यह भी है कि सरकार का सकारात्मक पक्ष दिखाई तो दे। ये कार्यालय बंद हो रहे हैं, तो इसके साथ जुड़ी संवेदना जाग रही है।

सत्ता के इस पक्ष को उबारने के लिए शीतकालीन सत्र पड़ाव हो सकता है, लेकिन सरकार को दिखाने के लिए तुरंत मंत्रिमंडल का गठन अनिवार्य हो रहा है। लोकतंत्र के जिस पर्व से निकल कर कांग्रेस सरकार को जनता से आशीर्वाद मिला, उसे इस परिवर्तन का एहसास कराने के लिए सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार चाहिए और यह पार्टी को अपने नेताओं, समर्थकों और प्रशंसकों के तालमेल से संभव करना है। बेशक सरकार ने अपनी मशीनरी के तौर पर सचिवालय से जिला प्रशासन तक कुछ प्राथमिकताएं आगे कर दी हैं, लेकिन हर विभाग को अपने सूत्रधार, अपनी प्राथमिकताएं चाहिएं। यह इसलिए भी कि कड़ी परीक्षा में कुछ कार्यालय तो अनुत्तीर्ण घोषित हो गए, लेकिन प्रश्न पत्र हर विभाग का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा। अतः सरकार को खुद में लोकतांत्रिक चेहरा पहन कर मुखातिब होना पड़ेगा और इसके लिए सर्वप्रथम मंत्रियों के बारे में फैसले पर सहमति सामने लानी होगी। कांग्रेस के विजयी विधायकों के सामने अगर सरकार के पदों पर आसीन होने का सिलसिला जारी है, तो फिर सत्ता की चमक में मंत्रियों पर फैसला लेने में गफलत क्यों। जाहिर है जीते हुए विधायकों में कई वरिष्ठ व अनुभवी नेता ऐसे भी हैं, जो पहले भी सरकार का दायित्व सफलता से निभा पाए हैं। सरकार के कठिन फैसलों के सामने विपक्ष ने अगर अपनी रणनीति को धार देनी शुरू कर दी है, तो सरकार को भी पतवार थामने के लिए मंत्रियों के हाथ चाहिएं।

ब्रीफ न्यूज

6 महीने में 200 तक जा सकता है यह सस्ता शेयर, आज 52 वीक हाई पर पहुंचा भाव, एक्सपर्ट ने कहा- खरीदो

अगर आप शेयर बाजार में सस्ते शेयर पर दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए यह खबर काम की हो सकती है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, यह शेयर आने वाले दिनों में बंपर कमाई करा सकता है। हम बात कर रहे हैं फेडरल बैंक के शेयर (Federal Bank stock) की। फेडरल बैंक के शेयर पर एक्सपर्ट बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। फेडरल बैंक के शेयर आज गुरुवार के कारोबारी दिन में बीएसई पर 52 वीक के नए हाई 136.30 रुपये पर पहुंच गए। शानदार सितंबर तिमाही नतीजों के बाद शेयर में लगातार तेजी देखी जा रही है। फेडरल बैंक के शेयर आज इंट्रा डे ट्रेड में बीएसई पर 52 वीक हाई 136.30 रुपये पर पहुंच गया।

शेयर में आज 2.10% की जबरदस्त तेजी है। फेडरल बैंक के शेयर पिछले इस साल YTD में अब तक 56% तक चढ़ गया है। LKP Securities ने फेडरल बैंक के लिए 180 रुपये का टारगेट दिया है और इसे 'बाय' रेटिंग दी है। IIFL Securities के अनुज गुप्ता ने फेडरल बैंक के शेयर पर 'बाय' रेटिंग देते हुए इसका टारगेट प्राइस 180-200 रुपये रखा है। जो कि अगले छह महीने में ही पहुंचने की संभावना जताई गई है।

बैंक धोखाधड़ी मामले में कॉरपोरेट पावर लिमिटेड के खिलाफ केस दर्ज, 4000 करोड़ रुपये की गड़बड़ी के आरोप

नईदिल्ली। कोलकाता स्थित कंपनी ने कथित तौर पर 20 बैंकों के कंसोर्टियम से जुड़े 4037.87 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की थी। सीबीआई की ओर से बताया गया है कि है कि वर्ष 2009 और 2013 के बीच उक्त उधारकर्ता ने परियोजना लागत विवरण में हेरफेर किया था और बैंक फंड को डमी खातों में डायवर्ट किया था। सीबीआई ने कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ 4,000 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी मामले प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने नागपुर, मुंबई, रांची, कोलकाता, दुर्गापुर, गाजियाबाद और विशाखापत्तनम सहित कई शहरों में बृहस्पतिवार को 16 स्थानों पर छापेमारी की। कोलकाता स्थित कंपनी ने कथित तौर पर 20 बैंकों के कंसोर्टियम से जुड़े 4037.87 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की थी। सीबीआई की ओर से बताया गया है कि है कि वर्ष 2009 और 2013 के बीच उक्त उधारकर्ता ने परियोजना लागत विवरण में हेरफेर किया था और बैंक फंड को डमी खातों में डायवर्ट किया था। यह भी आरोप लगाया गया था कि मुख्य रूप से संबंधित पार्टियों और धन के लेनदेन सहित व्यापार प्राप्तियों को विभिन्न कंपनियों के खातों में भेज दिया गया जो डमी खाते थे; उन खातों से उधारकर्ता धन निकालने में सक्षम था। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा है कि एजेंसी ने प्राथमिकी में कंपनी और उसके प्रवर्तकों तथा निदेशकों को नामजद किया है। सीबीआई ने अभिजीत समूह प्रवर्तित कंपनी कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ 4,000 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने इस मामले में गुरुवार को नागपुर, मुंबई, रांची, कोलकाता, दुर्गापुर, गाजियाबाद और विशाखापत्तनम सहित कई शहरों में 16 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि झारखंड में बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए अभिजीत समूह की ओर से प्रवर्तित कोलकाता स्थित विशेष प्रयोजन इकाई कॉरपोरेट पावर लिमिटेड ने कथित तौर पर 20 बैंकों के समूह से जुड़े 4037.87 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी की। उन्होंने कहा कि अभिजीत समूह की कई कंपनियां और उसके कुछ निदेशक कोयला घोटाला मामलों के सिलसिले में पहले से ही सीबीआई जांच का सामना कर रहे हैं और उनके खिलाफ आरोपपत्र भी दायर किया गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी पावर लिमिटेड ने झारखंड के लातेहार जिले में 2,900 करोड़ रुपये की लागत से चार गुणा 135 मेगावाट क्षमता का 540 मेगावाट बिजली संयंत्र लगाने की योजना बनाई थी। एजेंसी की ओर से यह भी आरोप लगाया गया कि 2009 से 2013 के बीच कर्ज लेने वालों ने परियोजना लागत में हेरफेर किया और बैंक कोष का अन्यत्र इस्तेमाल किया। एजेंसी ने प्राथमिकी में मनोज जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, राजीव कुमार, बिशाल जायसवाल, मुन्ना कुमार जायसवाल, पीएन कृष्णन, राजीव गोयल, अरुण कुमार श्रीवास्तव, एसएन गायकवाड़, प्रेम प्रकाश शर्मा और अरुण गुप्ता सहित कंपनी और उसके प्रवर्तकों एवं निदेशकों को आरोपित बनाया है।

बाजार में तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 981 अंक टूटा, निफ्टी 17850 के नीचे

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। बीते चार कारोबारी दिनों में घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पिछले तीन महीनों की बढ़त बाजार ने पिछले चार दिनों में ही गंवा दी है। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली। लगातार चौथे कारोबारी सेशन में बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। शुक्रवार के बाजार बंद होते समय सेंसेक्स 980.93 अंकों की गिरावट के साथ 59,845.29 अंकों पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 320.55 अंकों की गिरावट के साथ 17,806.80 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में यह पिछले तीन महीने की सबसे बड़ी गिरावट है। बैंक निफ्टी 740 अंकों की गिरावट के साथ 41668 के स्तर पर बंद हुआ। मिडकैप इंडेक्स में तो 3.76 फीसदी यानी 1179 अंकों की गिरावट आई और यह 30157 पर बंद हुआ।

बीते चार कारोबारी दिनों में घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों को करीब 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। पिछले तीन महीनों की बढ़त बाजार ने पिछले चार दिनों में ही गंवा दी है। शुक्रवार के कारोबारी सेशन में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंशियल सर्विसेज और विप्रो जैसी कंपनियों के शेयरों में गिरावट दिखी। कोटक सिक्योरिटीज के अमोल अठावले के अनुसार कमजोर वैश्विक संकेतों और मंदी के बाहरी कारकों ने दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों को मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे धकेल दिया। चीन और जापान में कोविड मामलों में तेजी के अलावा, उम्मीद से बेहतर यूएस क्यू3 जीडीपी नंबरों ने इस चिंता को और बढ़ा दिया कि फेड मुद्रास्फीति को कम करने के लिए और अधिक दरों में बढ़ोतरी करेगा, जिसने बाजारों में बिकवाली के दबाव को और बढ़ा दिया। तकनीकी रूप से, लंबे समय के बाद सूचकांक 50 दिन के एसएमए (सिंपल मूविंग एवरेज) से नीचे बंद हुआ और साप्ताहिक चार्ट पर एक लंबी मंदी का कैंडल बना जो मोटे तौर पर नकारात्मक है। व्यापारियों के लिए, जब तक सूचकांक 18000 से नीचे कारोबार कर रहा है, तब तक इसमें गिरावट की आशंका बनी रहेगी यह 17600-17500 तक फिसल सकता है। दूसरी तरफ, 18000 का लेवल मजबूत प्रतिरोध क्षेत्र के रूप में कार्य कर सकता है। अगर निफ्टी इंडेक्स 18000 का लेवल पार करता है तो यह 50 दिन के एसएमए या 18150-18200 तक पहुंच सकता है।

बढ़ती महंगाई पर रिजर्व बैंक की एमपीसी की विशेष बैठक शुरू

नईदिल्ली/मंबई, । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की विशेष बैठक शुरू हो गई है। आरबीआई गर्वनर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में गुरुवार को यहां हो रही इस बैठक में देश में बढ़ती महंगाई को लेकर सरकार को भेजी जाने वाली रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक एमपीसी की इस विशेष बैठक में तैयार रिपोर्ट सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम के तहत सौंपी जाएगी। इस बैठक में आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास के अलावा आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा और आरबीआई के कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन भी शामिल हैं। एमपीसी की बैठक में तैयार होने वाली इस रिपोर्ट में बताया जाएगा कि इस वर्ष जनवरी से लगातार तीन तिमाहियों में वह खुदरा महंगाई दर को छह फीसदी की संतोषजनक सीमा से नीचे रखने में क्यों विफल रही है।

दरअसल, छह साल पहले एमपीसी का गठन होने के बाद पहली बार आरबीआई लगातार नौ महीनों तक महंगाई को निर्धारित दायरे में नहीं रख पाने पर एक रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगा। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों के महंगा होने से देश में खुदरा महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर रिकॉर्ड 7.41 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, आरबीआई बढ़ती महंगाई को थामने के लिए लगातार नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है, लेकिन महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। इससे एक दिन पहले आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपनी नीतियों का बचाव करते हुए कहा था कि अगर समय से पहले ब्याज दरों को सख्त करना शुरू कर दिया होता तो अर्थव्यवस्था में वृद्धि नीचे की ओर मुड़ जाती।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी से बिगड़ा ग्लोबल बाजार का मूड, एशियाई बाजारों में भी दबाव

नई दिल्ली । अमेरिकी केंद्रीय बैंक यूएस फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के फैसले ने वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों का मूड बिगाड़ दिया है। ब्याज दरों में हुई बढ़ोतरी के कारण अमेरिकी बाजार पिछले कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज गिरावट का रुख बना हुआ है।

यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने के कारण पिछले कारोबारी सत्र के दौरान डाओ जोंस 500 अंक से ज्यादा गिरावट के साथ बंद हुआ। इस सूचकांक में पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 1.57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह एसएंडपी 500 सूचकांक भी 2.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस सूचकांक में शामिल शेयरों में से 74 प्रतिशत शेयर गिरकर लाल निशान में बंद हुए। इसके अलावा नैस्डेक भी पिछले कारोबारी सत्र के दौरान 3.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,524 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आपको बता दें कि यूएस फेडरल रिजर्व ने कल ही लगातार चौथी बार ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया था। बाजार में पहले से ही इस बात की आशंका जताई जा रही थी कि अमेरिका में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची महंगाई पर काबू पाने के लिए यूएस फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। यही वजह है कि अमेरिकी बाजार 1 दिन पहले से सतर्क होकर दबाव में कारोबार कर रहे थे। कल ब्याज दरों में बढ़ोतरी होने का ऐलान होने के बाद इसका साफ असर अमेरिकी बाजार पर पड़ा और अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

अमेरिकी बाजार के लिए राहत की बात सिर्फ यही रही कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान करने के साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक में महंगाई को थामने की अपनी कोशिशों के आखिरी दौर में पहुंचने के भी संकेत दिए। यूएस फेड की ओर से कहा गया है कि इस बार ब्याज दरों में की गई 75 बेसिस प्वाइंट यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ ब्याज दरें उस उच्च स्तर पर पहुंच जाएंगी, जो महंगाई दर को घटा कर 2 प्रतिशत तक के स्तर पर लाने के लिए पर्याप्त होंगी। यूएस फेड के इसी बयान की वजह से माना जा रहा है कि अगर ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आशाजनक परिणाम सामने आए तो आने वाले दिनों में ब्याज दरों में बढ़ोतरी नहीं भी की जा सकती है।

फेडरल रिजर्व के इस बयान के बाद इसका एक अर्थ ये भी निकाला जा रहा है कि आने वाले दिनों में यूएस फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी के आंकड़े को कम करने के लिए ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला भी ले सकता है। लेकिन ऐसा तभी होगा जब अमेरिका में महंगाई दर के आंकड़ों में पर्याप्त कमी आए। इस बार की गई बढ़ोतरी के बाद अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपने बेंचमार्क इंटरेस्ट रेट को 3.75 प्रतिशत से लेकर 4 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है, जो 2008 के बाद का उच्चतम स्तर है। आपको बता दें कि यूएस फेड इस बढ़ोतरी को मिलाकर लगातार चार बार और इस साल छठी बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर चुका है।

यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी किए जाने का असर पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी बाजार पर तो पड़ा ही, एशियाई बाजार भी दबाव में आ गए। आज एशियाई बाजारों में भी गिरावट के साथ कारोबार होता नजर आ रहा है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स को छोड़ कर एशियाई देशों के शेष सभी इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

एसजीएक्स निफ्टी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,076 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 27,663.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ है। स्ट्रेट टाइम्स इंडेक्स भी 1.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,104.68 अंक के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा है। वही हैंग सेंग इंडेक्स में 2.90 प्रतिशत की गिरावट आ गई है और फिलहाल ये 15,36.38 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

ताइवान का बाजार ताइवान वेटेड इंडेक्स भी 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 12,953.41 अंक के स्तर पर बना हुआ है, जबकि कोस्पी इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,329.18 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,984.43 अंक के स्तर पर बना हुआ है। जबकि जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,025.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार के लिए राहत की बात सिर्फ यही रही कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी का ऐलान करने के साथ ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक में महंगाई को थामने की अपनी कोशिशों के आखिरी दौर में पहुंचने के भी संकेत दिए। यूएस फेड की ओर से कहा गया है कि इस बार ब्याज दरों में की गई 75 बेसिस प्वाइंट यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ ब्याज दरें उस उच्च स्तर पर पहुंच जाएंगी, जो महंगाई दर को घटा कर 2 प्रतिशत तक के स्तर पर लाने के लिए पर्याप्त होंगी।

चीन में बढ़ते संक्रमण से बढ़ी भारत की चिंता, अगर लगा लॉकडाउन तो इन सेक्टरों पर दिखेगा असर

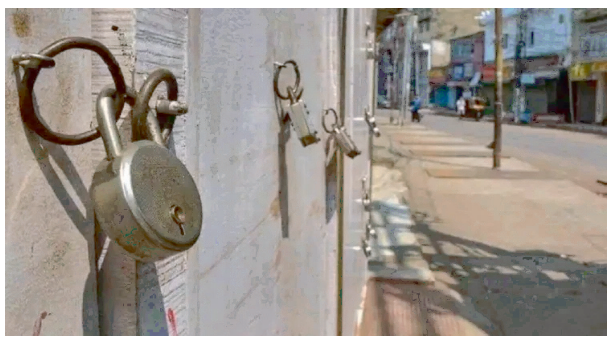

नईदिल्ली। अमर उजाला से चर्चा में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन (फियो) से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि चीन व कुछ अन्य देशों में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार के लिए खतरे की घंटी है... चीन, अमेरिका, दक्षिण कोरिया समेत कई देशों में कोरोना केसों के बढ़ने के साथ अब भारत में भी संक्रमण को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। लेकिन इसी बीच निर्यातकों को चीन भेजी जाने वाली खेप में आगे और कमी आने की चिंता सताने लगी है, क्योंकि पड़ोसी देश में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अगर चीन में व्यापक स्तर पर लॉकडाउन होता है, तो भारत के निर्यात के साथ ही आयात पर भी व्यापक देखने को मिलेगा। व्यापार संगठनों के मुताबिक जोखिम वाले क्षेत्रों में फार्मास्यूटिकल्स, वाहनों के कलपुर्जे और इलेक्ट्रॉनिक सामान और उसके पार्ट्स शामिल हैं। दरअसल, इस वित्त वर्ष के शुरुआती सात माह में चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। वैश्विक व्यापार में चीन की हिस्सेदारी बहुत ज्यादा है। अगर लॉकडाउन के कारण कोई कोई व्यवधान होता है, तो इसका असर भारत समेत कई देशों पर पड़ सकता है, जो चीन द्वारा की जाने वाली आपूर्ति पर निर्भर हैं। जहां तक निर्यात का मसला है। चीन भारत का चौथा निर्यात बाजार है। जबकि इसके पहले के वित्त वर्ष में तीसरा सबसे बड़ा बाजार था।

चर्चा में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट्स ऑर्गेनाइजेशन (फियो) से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि चीन व कुछ अन्य देशों में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार के लिए खतरे की घंटी है। भारत चीन से प्रमुख रूप से इलेक्ट्रॉनिक सामान, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और उससे जुड़े उत्पादों, अन्य विनिर्मित वस्तुओं और वस्त्र का आयात करता है। जबकि पेट्रोलियम उत्पाद, समुद्री उत्पाद, कार्बनिक रसायन, गैर बासमती चावल के अलावा अन्य कुछ वस्तुओं का चीन को निर्यात करता है। लेकिन पिछले साल के अंत से ही निर्यात घट रहा है। बहरहाल कंपनियां चीन से कच्चे माल की आपूर्ति पर निर्भर हैं और अगर कोई व्यवधान आता है तो अगले दो-तीन महीने के लिए गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। लेकिन पिछले अनुभव को देखते हुए कंपनियों ने भंडारण शुरू कर दिया है।

लगातार घट रहा है दोनों देशों के बीच बाजार

उपलब्ध आंकड़ों पर नजर डालें तो सामने आता है कि चीन को होने वाला निर्यात दिसंबर 2021 से ही कम हो रहा है। अप्रैल से अक्तूबर के बीच भारत ने चीन को 8.84 अरब डॉलर की वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात किया है, जो एक साल पहले की तुलना में 37 फीसदी कम है। जबकि इसी अवधि के दौरान भारत ने चीन से 60 अरब डॉलर से ज्यादा वस्तुओं का आयात किया है, जो एक साल पहले की तुलना में 17 फीसदी ज्यादा है। इंडियन टी एसोसिएशन से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि चीन में कोविड के बढ़ते मामले चिंता का विषय हैं। चीन भारत के लिए बड़ा निर्यात बाजार है। हालांकि तीन साल पहले की तुलना में भेजी जाने वाली खेप अब घटकर आधी रह गई है।

ब्रिटेन में यात्रियों को यात्रा में विलंब के लिए चेताया गया, पासपोर्ट कर्मचारी गए हड़ताल पर

नई दिल्ली। ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को लंबे विलंब को लेकर चेताया गया है, क्योंकि पासपोर्ट की जांच करने वाले सीमा बल (बॉर्डर फोर्स) के कर्मचारियों ने वेतन और काम के हालात में बेहतरी को लेकर हड़ताल शुरू की है।

1,000 से अधिक कर्मचारी हीथ्रो, गैटविक, बर्मिंघम, कार्डिफ, मैनचेस्टर और ग्लासगो के हवाई अड्डों के साथ साथ ईस्ट ससेक्स के न्यूहैवेन बंदरगाह से बाहर निकल गए जिससे वहां पासपोर्ट नियंत्रण डेस्क प्रभावित हुई।

हड़ताल सोमवार तक जारी रहेगी और इसके बाद 28 दिसंबर से 31 दिसंबर को फिर से हड़ताल की जाएगी। हड़ताली कर्मचारियों की जगह सैन्यकर्मियों और कार्यकर्ताओं की मदद ली जा रही है और बॉर्डर फोर्स के लिए जिम्मेदार ब्रिटेन का गृह विभाग अन्य विभागों से अधिकारियों को मदद के लिए भेज रहा है। इस दौरान इन हवाईअड्डों पर 10,000 से अधिक उड़ानें उतरेंगी और शुक्रवार को आने वाले लगभग 250,000 यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ सकता है। इस बीच रॉयल मेल डाक के कर्मचारी भी शुक्रवार से हड़ताल पर जाएंगे। यह इस माह में पांचवी बार हड़ताल होगी। ऐसा अनुमान है कि शनिवार को हड़ताल के जारी रहने से रॉयल मेल को करीब 110 करोड़ जीबीपी (ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग) का नुकसान होगा। लंदन और इंग्लैंड के दक्षिण पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग कर्मचारी भी बृहस्पतिवार से शुरू अपनी हड़ताल को जारी रखेंगे।

आरएमटी यूनियन की अगुवाई में रेल कर्मचारी शनिवार से हड़ताल पर जाएंगे जो 27 दिसंबर की शाम तक जारी रहेगा। इससे भी कुछ सेवाओं पर असर पड़ेगा। इस हड़ताल से प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी की सरकार पर दबाव बढ़ गया है जिसने लोक सेवा क्षेत्र के कर्मियों की वेतन में बढ़ोत्तरी की मांग को मानने से इनकार कर दिया है।

कोविड-19 और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के मद्देनजर नवंबर में मंहगाई दर 10.7 प्रतिशत बनी रही जिससे खाने-पीने की चीजें और ऊर्जा की कीमतें बढ़ी हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा की हजारों नर्सें इस महीने दूसरी बार मंगलवार को 24 घंटे की हड़ताल में शामिल हुईं। एंबुलेंस ड्राइवर, पैरामेडिक्स और डिस्पैचर ने भी इस सप्ताह की शुरुआत में हड़ताल की और 28 दिसंबर को उनकी फिर से हड़ताल पर जाने की योजना है।

सिक्किम में बड़ा सड़क हादसा, सेना का ट्रक खाई में गिरा, 16 जवान हुए शहीद, राजनाथ सिंह ने जताया दुख

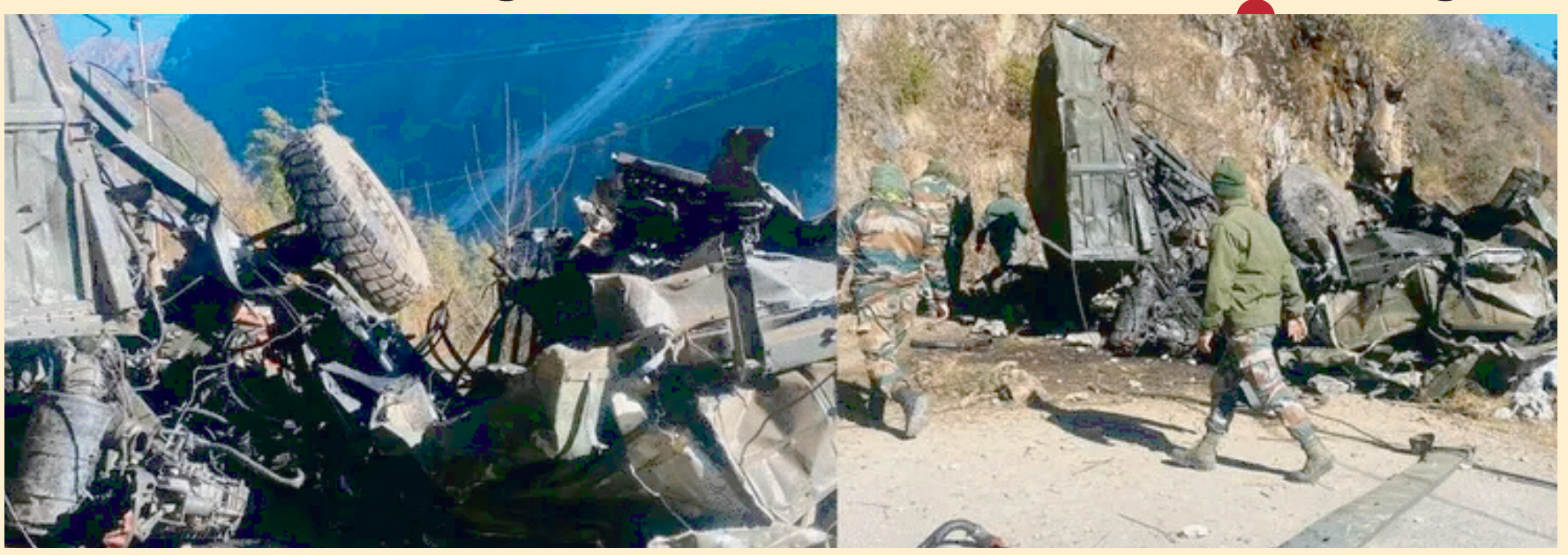

एनटीवी न्यूज

नई दिल्ली। उत्तरी सिक्किम के पास एक खड़ी ढलान पर एक वाहन के फिसल जाने से सेना के सोलह जवान शहीद हो गये और चार अन्य घायल हो गए। यह वाहन तीन वाहनों के काफिले का हिस्सा था, जो चटन से सुबह थंगू की ओर बढ़ा था। ज़ेमा के रास्ते में, वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सिक्किम से एक दुखद घटना सामने आयी है। जहां घने कोहरे के कारण एक सेना की गाड़ी हादसे का शिकार हो गयी। इस दर्दनाक हादसे में सेना के 16 जवान शहीद हो गये और 4 गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसा उस वक्त हुआ जब बर्फ से ढ़की सड़क पर गाड़ी को टर्न किया जा रहा था। यह गाड़ी एक सेना के काफिले का हिस्सा थी और एक चूक के कारण हादसे शिकार हो गयी।

उत्तरी सिक्किम के पास एक खड़ी ढलान पर एक वाहन के फिसल जाने से सेना के सोलह जवान शहीद हो गये और चार अन्य घायल हो गए। यह वाहन तीन वाहनों के काफिले का हिस्सा था, जो चटन से सुबह थंगू की ओर बढ़ा था। ज़ेमा के रास्ते में, वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

भारतीय सेना ने एक बयान में कहा ₹एक बचाव अभियान तुरंत शुरू किया गया था, और चार घायल सैनिकों को हवाई जहाज से निकाला गया था। दुर्भाग्य से, तीन जूनियर कमीशंड अधिकारियों और 13 सैनिकों ने दुर्घटना में लगी चोटों के कारण दम तोड़ दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया दुख

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा उत्तर सिक्किम में एक सड़क दुर्घटना के कारण भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से गहरा दुख हुआ। राष्ट्र उनकी सेवा और प्रतिबद्धता के लिए हृदय से आभारी है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। जो लोग घायल हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी घटना पर दुख जताते हुए लिखा- उत्तरी सिक्किम में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से दुखी हूं।उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। राष्ट्र उनकी निःस्वार्थ सेवा का ऋणी रहेगा। इस हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

धमकी देकर कश्मीर के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं आतंकवादी, DGP का बयान

एनटीवी न्यूज

जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवादी लोगों को धमकियां देकर घाटी के सौहार्दपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने शुक्रवार को कहा कि आतंकवादी लोगों को धमकियां देकर घाटी के सौहार्दपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने यहां पत्रकारों को बताया, "इन लोगों को शर्म आनी चाहिए कि वे कश्मीर के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल को खराब करने के उद्देश्य से धमकियां देने के लिए इतना नीचे गिर गए हैं।" वह लश्कर-ए-तैयबा का एक हिस्सा माने जाने वाले उग्रवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) के बारे में सवालों का जवाब दे रहे थे।

बारामूला जिले के लिए हाल में नामित भाजपा पदाधिकारियों को टीआरएफ ने बृहस्पतिवार रात को धमकी दी थी। डीजीपी ने कहा कि आतंकवादी और उनके आका घाटी में बढ़ रही शांति और विकास को पचा नहीं पा रहे हैं। मादक पदार्थ तस्करी में कथित रूप से शामिल पांच पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी से जुड़े सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि इस खतरे से सख्ती से निपटने की जरूरत है।

इनसाइड

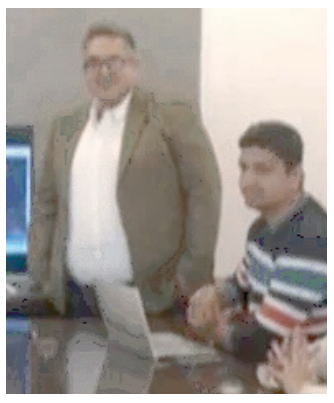

Article 370 हटने के बाद बदली जम्मू-कश्मीर की तस्वीर, IT Hub बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा केंद्र शासित प्रदेश

नई दिल्ली। हम आपको बता दें कि जम्मू से संचालित कंपनी RVS iGlobal चार-पांच लोगों को साथ लेकर शुरू हुई थी और आज यह इतनी तेजी से बढ़ी है कि इसमें 100 से ज्यादा इंजीनियर हैं। इस कंपनी के विदेशों में भी अच्छे खासे ग्राहक हैं। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद से तमाम तरह के बदलाव आये हैं। इस समय कई राष्ट्रीय, बहुराष्ट्रीय कंपनियां तो जम्मू-कश्मीर में जा ही रही हैं साथ ही स्थानीय स्तर पर भी युवा अपने स्टार्टअप खोलकर चमत्कार कर रहे हैं और जम्मू-कश्मीर को एक आईटी हब बनाने की दिशा में लग गये हैं। इस काम में केंद्र सरकार और स्थानीय प्रशासन का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। उदाहरण के लिए यदि जम्मू से संचालित आईटी कंपनी RVS iGlobal की बात करें तो इसने बहुत कम समय में कमाल का काम किया है। हम आपको बता दें कि जम्मू से संचालित यह कंपनी चार-पांच लोगों को साथ लेकर शुरू हुई थी और आज यह इतनी तेजी से बढ़ी है कि इसमें 100 से ज्यादा इंजीनियर हैं। इस कंपनी के विदेशों में भी अच्छे खासे ग्राहक हैं। जम्मू-कश्मीर के युवाओं को इस कंपनी में बड़ी संख्या में रोजगार भी मिला है और प्रेरणा भी मिली है कि यदि लगन के साथ सही दिशा में आगे बढ़ा जाये तो सफलता मिलना निश्चित है।

क्या मिर्जापुर की Sania Mirza बनेंगी भारतीय वायुसेना की पहली मुस्लिम महिला पायलट?

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के एक टीवी मैकेनिक की बेटी सानिया मिर्जा राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की परीक्षा पास करने के बाद चर्चा में हैं। कई रिपोर्टों में कहा गया कि सानिया मिर्ज़ा भारत की पहली मुस्लिम महिला फाइटर पायलट होंगी।

खासी समुदाय की पोशाक के अपमान पर बवाल, असम में अतिक्रमण रोधी अभियान, मिजोरम मंत्रिमंडल विस्तार...समेत और भी बहुत कुछ

एनटीवी संवाददाता

खासी पोशाक पर तृणमूल कांग्रेस के नेता कीर्ति आज़ाद की कथित अपमानजनक टिप्पणी ने पूर्वोत्तर में विवाद खड़ा कर दिया है। पूर्वोत्तर के राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसकी निंदा की है वहीं पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि वह पोशाक का अपमान नहीं कर रहे थे।

नमस्कार प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास कार्यक्रम पूर्वोत्तर लोक में आप सभी का स्वागत है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में भारत-चीन की सेना के बीच हाल में हुई झड़प का मुद्दा हो, असम में सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए चलाया गया अभियान हो या फिर मेघालय की पारम्परिक पोशाक का तृणमूल कांग्रेस के नेता की ओर से उड़ाया गया मजाक हो या फिर नगालैंड में पूर्वी नगालैंड को अलग राज्य बनाने की मांग की बात हो या फिर असम और अरुणाचल के बीच सीमा मुद्दे पर वार्ता हो या फिर मिजोरम सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार हो या फिर त्रिपुरा और मेघालय में बढ़ती राजनीतिक सरगर्मी की बात हो...आज के कार्यक्रम में हम आपको राज्यवार विस्तार से इस सप्ताह का घटनाक्रम बताएंगे लेकिन सबसे पहले नजर डालते हैं पूर्वोत्तर से इस सप्ताह की सबसे बड़ी खबर पर।

खासी पोशाक पर तृणमूल कांग्रेस के नेता कीर्ति आज़ाद की कथित अपमानजनक टिप्पणी ने पूर्वोत्तर में विवाद खड़ा कर दिया है। पूर्वोत्तर के राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इसकी निंदा की है वहीं पूर्व क्रिकेटर ने कहा है कि वह पोशाक का अपमान नहीं कर रहे थे बल्कि प्रधानमंत्री के 'फैशन स्टेटमेंट' पर टिप्पणी कर रहे थे। हम आपको बता दें कि कीर्ति आज़ाद ने अपने ट्विटर पेज पर 18 दिसंबर को शिलांग में एक जनसभा के दौरान पारंपरिक खासी पोशाक 'जिमफोंग' पहने मोदी की और उसी तरह की पोशाक पहने एक महिला की तस्वीरें साझा की थी। साथ में दो पंक्तियां हिंदी में लिखी थी जिससे विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि बाद में उन्होंने ट्वीट को हटा दिया था। मेघालय, असम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने कीर्ति आजाद की टिप्पणी की निंदा की और माफी की मांग की।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि टीएमसी नेता को ऐसा बयान देना पड़ा। यह हमारे राज्य के लोगों, खासकर खासी लोगों के लिए बहुत अपमानजनक था।" उन्होंने कहा, ₹यह एक असंवेदनशील बयान था और संबंधित राजनीतिक दल को हमारे लोगों और संस्कृति का अपमान करने के लिए माफी मांगनी चाहिए।₹ भाजपा ने भी विवादित ट्वीट पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अर्नेस्ट मॉवरी ने कहा, ₹प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पहनी गई पोशाक का मजाक उड़ाना बहुत दुखद है। प्रधानमंत्री जब भी हमारे राज्य का दौरा करते हैं तो पारंपरिक पोशाक का सम्मान करते हैं और उसे गर्व से पहनते हैं।₹

पड़ोसी असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया, ₹यह देखकर दुख होता है कि कीर्ति आज़ाद मेघालय की संस्कृति का अनादर कर रहे हैं और हमारे आदिवासी पहनावे का मज़ाक उड़ा रहे हैं। टीएमसी को तत्काल स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे उनके विचारों का समर्थन करती हैं। उनकी चुप्पी मौन समर्थन के समान होगी और लोग उन्हें क्षमा नहीं करेंगे।" अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने भी आजाद के ट्वीट की निंदा की।

उधर असम से आई खबरों की बात करें तो इस सप्ताह विधानसभा सत्र के दौरान काफी राजनीतिक गहमागहमी देखने को मिली। इस बीच, राज्य सरकार ने विधानसभा में जानकारी दी कि असम में 3,000 से अधिक स्कूलों में लड़कों के लिए उचित शौचालय की सुविधा नहीं है, जबकि 1,600 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में छात्राओं के लिए ऐसी सुविधाओं की कमी है। शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि 1,100 से अधिक स्कूलों में पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है और 1,000 से अधिक में बिजली कनेक्शन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि 2,900 स्कूल एकल शिक्षकों द्वारा चलाए जा रहे हैं, जबकि लगभग 4,800 शैक्षणिक संस्थानों में कोई विभाजन दीवार नहीं है और वे एक कमरे में संचालित होते हैं।

इसके अलावा, अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच क्षेत्रीय समिति स्तर की सीमा वार्ता के तीसरे दौर में अंतरराज्यीय सीमा से जुड़े कुछ मुद्दों को सुलझाने में सफलता मिली है। दोनों राज्यों के मंत्रियों ने यह जानकारी दी। असम के कृषि मंत्री अतुल बोरा और अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चौना मीन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीन सीमावर्ती जिलों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए ''सौहार्दपूर्ण माहौल में चर्चा हुई।'' चौना मीन ने कहा कि समिति के सदस्यों ने बैठक में शामिल होने से पहले अरुणाचल प्रदेश में नमसाई और लोहित जिलों तथा असम में तिनसुकिया जिले के विवादित क्षेत्रों का दौरा किया था और विभिन्न पक्षकारों से बात की थी। उन्होंने कहा, ''हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि अब इन इलाकों में कोई मुद्दा नहीं है।'' वहीं अतुल बोरा ने कहा कि समिति दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रीयों को रिपोर्ट सौंपेगी, जो इस रिपोर्ट को केंद्र के पास भेजेंगे। हम आपको बता दें कि क्षेत्रीय स्तर की वार्ता का पहला दौर नमसाई में और दूसरा दौर डिब्रूगढ़ में आयोजित किया गया था। दोनों राज्य 804.1 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। अरुणाचल प्रदेश, जिसे 1972 में केंद्र-शासित प्रदेश बनाया गया था, ने आरोप लगाया है कि मैदानी इलाकों में कई वन क्षेत्र, जो पारंपरिक रूप से उसके पहाड़ी आदिवासी प्रमुखों और समुदायों से संबंधित थे, एकतरफा रूप से असम में स्थानांतरित कर दिए गए थे। 1987 में अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा मिलने के बाद एक त्रिपक्षीय समिति गठित की गई थी, जिसने सिफारिश की कि कुछ क्षेत्रों को असम से अरुणाचल में स्थानांतरित किया जाए। असम ने सिफारिश का विरोध किया और मामला उच्चतम न्यायालय में है।

इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने असम के सोनितपुर जिले में एक पुल के नीचे से बुधवार को छह देसी बम बरामद किए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सेना और पुलिस के संयुक्त गश्ती दल ने ढेकियाजुली इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर चिराजुली पुल के नीचे विस्फोटक देखे। उन्होंने बताया कि बम बाद में निष्क्रिय कर दिये गए। अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि उग्रवादी संगठनों ने आगामी क्रिसमस और नये साल के समारोहों के दौरान शांति भंग करने के लिए ये बम रखे थे। हालांकि, अभी तक किसी भी उग्रवादी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विपक्षी दलों की अपीलों को दरकिनार करते हुए कहा है कि भाजपा शासित राज्य ''असम में सरकारी और वन भूमि'' को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए अभियान जारी रहेगा। यह बयान राज्य के नौगांव जिले के बटद्रवा में इस सप्ताह की शुरुआत में एक अभियान की पृष्ठभूमि में आया है, जिसमें असम के मध्यकालीन वैष्णव संत शंकरदेव के जन्मस्थान के आसपास के क्षेत्र स्थित सरकारी भूमि से 5,000 से अधिक ₹अतिक्रमण करने वालों₹ को हटाया गया। विधानसभा में मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि सरकारी जमीन से हटाये गए कई लोग, जो वास्तव में भूमिहीन थे, उन्हें सत्यापन के बाद सरकार द्वारा विभिन्न स्थानों पर जमीन के 'पट्टे' दिए गए हैं।

यूपी सरकार का बड़ा फैसला, ब्रजेश पाठक ने मास्क लगाने के आदेश किए जारी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। राज्य में सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने बड़ी घोषणा की है ताकि राज्य में संक्रमण फैलने से रोका जा सके।

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने नए निर्देश जारी किए थे। उत्तर प्रदेश की सरकार ने बढ़ते मामलों के बीच अस्पतालों में मास्क लगाने को अनिवार्य किया गया है। इस मामले में 22 दिसंबर को स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक ली है।

बैठक में तय किया गया कि सभी जिलों में चौकसी बढ़ाई जाएगी। वहीं दुनिया भर में तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों से प्रभावित देशों से लौट रहे यात्रियों की जांच की जाएगी। बैठक के बाद उत्तर प्रदेश के लिए अलर्ट घोषित कर दिया गया है। बैठक के बाद स्वास्थ्य विभाग के लिए खास निर्देश जारी किए गए है। चिकित्सा शिक्षा विभाग को जांच से लेकर उपचार तक की व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए गए है।

एयरपोर्ट पर बढ़ेगी चौकसी

इसके साथ ही अब राज्य के एयरपोर्ट पर भी चौकसी बढ़ाई जाएगी। नए आदेशों के मुताबिक संक्रमित देशों से लौटने वाले यात्रियों की जिनोम सिक्वेंसींग कराई जाएगी। जिनोम सिक्वेंसींग कराए जाने के निर्देश जारी कर दिए गए है। इसके जरिए नए वैरिएंट का पता लगेगा। सरकार ने सर्दी जुकाम और कुभार समेत अन्य लक्षणों वाले यात्रियों को चिन्हित करने के निर्देश दिए है।

होम आइसोलेशन में रहने की भी सलाह

बैठक में ये भी तय किया गया है कि जो लोग विदेशों से राज्य में आ रहे है उन्हें भी होम आइसोलेशन में रहना होगा। स्वास्थ्य विभाग ऐसे यात्रियों की सूची तैयार करेगा जो विदेश से लौटे हैं। इन सभी यात्रियों के स्वास्थ्य का अपडेट 12-14 दिनों तक रखा जाएगा। अगर इनके स्वास्थ्य में कोई परेशानी देखने को मिलेगी तो उन्हें इलाज मुहैया कराया जाएगा। बता दें कि इन दिनों दुनिया के कई देशों जैसे चीन, जापान, अमेरिका और ब्राज़ील कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है।

मनसुख मंडाविया की राज्यों के साथ बड़ी बैठक, सतर्क रहने को कहा, टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट और वैक्सीनेशन पर जोर

नई दिल्ली। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों को सतर्क रहने और कोविड-19 प्रबंधन के लिए सभी तैयारियां रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों को सहयोगात्मक भावना से काम करने की जरूरत है, जैसा कि हमने पिछली बार उछाल के दौरान किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कई देशों में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों को लेकर आज सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री ने सभी राज्यों से कोरोना वायरस को लेकर अलर्ट रहने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने नए साल के जश्न को लेकर गाइडलाइंस जारी करने के लिए भी कहा है। उन्होंने निगरानी रखने और टेस्टिंग बढ़ाने पर जोर दिया तथा राज्यों से यह भी कहा है कि अस्पतालों का बुनियादी ढांचा मजबूत रखें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों को निर्देश भी जारी कर दिया जाए। टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट तथा वैक्सीनेशन पर भी ध्यान देने को कहा गया है। जानकारी के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यों को सतर्क रहने और कोविड-19 प्रबंधन के लिए सभी तैयारियां रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों को सहयोगात्मक भावना से काम करने की जरूरत है, जैसा कि हमने पिछली बार उछाल के दौरान किया है। वहीं, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आने वाले त्योहारों और नए साल के जश्न को ध्यान में रखते हुए 'टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट एंड वैक्सीनेशन' और मास्क पहनने एवं सोशल डिस्टेंसिंग पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री के साथ समीक्षा बैठक में झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बी गुप्ता ने कहा कि आज की बैठक COVID-19 की तैयारियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई, क्योंकि दुनिया भर में मामले बढ़ रहे हैं। बी गुप्ता ने कहा कि मनसुख मंडाविया महामारी से निपटने में केंद्र सरकार की मदद करने का भी आश्वासन दिया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुरुवार को कोरोना को लेकर एक बड़ी बैठक की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने अधिकारियों से किसी भी तरह की लापरवाही ना बरतने को लेकर आगाह किया और कोरोना मामलों की कड़ी निगरानी की सलाह दी।